

Corporate Communications Directorate

THE ASIAN AGE

DELHI

16 JUNE 2026

■ Thank CM for 'historic, unforgettable' journey

Farmers take launch-day flight from Noida airport, meet Yogi

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, JUNE 15

Around 170 villagers, whose land was acquired for the development of Noida International Airport, boarded the first passenger flight from the newly operational airport on Monday and described to the Uttar Pradesh chief minister their air journey to Lucknow as a "dream come true".

For most of the travellers from Jewar — including 28 women — it was their first air travel, according to MLA Dharendra Singh, who said the moment reflected the participation of farmers in the airport's development journey.

The passengers reached Lucknow on the launch-day flight after Noida International Airport



A child dressed as a pilot at the arrivals area of Noida International Airport in Jewar on Monday. — PTI

commenced passenger services on Monday morning. They were welcomed by CM Yogi Adityanath at his residence, where they expressed gratitude for being part of the historic journey.

Farmers, during their interaction with Mr Adityanath, said a long-cherished dream of travel-

ling by air was fulfilled and described the experience as "unforgettable."

Jewar resident Poonam, whose land was acquired for the airport project, said it was her first opportunity to sit in an aircraft. She thanked the CM and said the initiative had increased the respect and confidence of farmers.

अपनी जमीन पर शानदार हवाई अड्डा देखकर किसान हुए खुश

104 साल की राजवती बोलीं- हमारे पूर्वजों की जमीन अब देश की धरोहर, लखनऊ जाने वाले किसानों में 28 महिलाएं रहीं शामिल

रोहित शर्मा

यमुना सिटी। मैंने अपनी पूरी उम्र इस जमीन पर खेती देखी। परिवार के साथ मिलकर फसलें बोईं। पहले मवेशियों की मदद से हल चलाते थे। बाद में ट्रैक्टर आए। लेकिन कभी नहीं सोचा था कि यहाँ से हवाई जहाज भी उड़ेंगे। पहली उड़ान में हमें भी शामिल किया जाएगा। आज अपनी जमीन पर शानदार हवाई अड्डा देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे पूर्वजों की जमीन अब देश की धरोहर बन चुकी है। देश दुनिया में लोग इसे जानेंगे। यह बातें कहीं 104 वर्ष की बुजुर्ग राजवती देवी ने।

सोमवार को उन्होंने लखनऊ जाने वाली पहली फ्लाइट में यात्रा की। एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले 170 किसान और कामगार उनके साथ विमान में नोएडा से लखनऊ पहुंचे। सभी जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के साथ रवाना हुए। इनमें 28 महिलाएं और किसान परिवार की बेटियां भी शामिल थीं।

हवाई यात्रा करने वाली बुजुर्ग महिलाओं ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनकी जमीन पर एयरपोर्ट बनेगा और उन्हें इस तरह से हवाई यात्रा करने में शामिल होने का मौका मिलेगा। अपने जीवन में उन्होंने ट्रेन की यात्रा भी गिनी चुनी बार ही की है। जिन जमीन पर वह अनाज उगाया करती थीं और उनके



जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को रनवे पर उतरे पहले यात्री विमान का स्वागत वाटर कैनन के जरिये सलामी देकर किया गया। AMR UJALA

मकान बने थे। अब उसी जमीन पर रोज हवाई जहाज उड़ेंगे और देश विदेश की यात्रा करने के लिए लोग यहाँ आएंगे। **पहले चरण में सात गांव हुए थे विस्थापित:** नोएडा एयरपोर्ट का पूरा काम कुल चार चरण में पूरा किया जाएगा। इस एयरपोर्ट को इस तरीके से विकसित किया जा रहा है कि चौथा चरण पूरा होने के बाद यह एशिया का सबसे बड़ा और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एयरपोर्ट बन जाएगा। पहले चरण में जेवर के सात गांवों के किसान विस्थापित हुए थे। इसमें रोही, नगला गणेशी, नगला फूल खां, किशोरपुर, दयानतपुर खेड़ा, नगला शरीफ खां और नगला छीतर के किसान विस्थापित हुए थे।

उड़ान भरने वाली महिलाएं बोलीं

मेरी उम्र 104 साल हो गई है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि हमारी जमीन पर हवाई अड्डा बनेगा और हमें यहाँ से यात्रा करने का मौका मिलेगा। -राजवती देवी



शुरू में जब हमें यहाँ मकान-जमीन से हटाया गया था तो अंदाजा नहीं था कि आगे क्या होगा। सरकार लगातार हमारी देखरेख कर रही है। -मिथलेश

पहले दिन 5 विमानों ने भी उड़ान

यमुना सिटी। जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ानों का सपना सोमवार को पूरा हो गया। एयरपोर्ट के लिए अपनी जमीनें देने वाले किसान, कामगार व महिलाओं के साथ उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। सतीश महाना लखनऊ से नोएडा आने वाली पहली फ्लाइट में सवार थे। इसके बाद एयरपोर्ट से पहले विमान ने लखनऊ के लिए उड़ान भरी। इस फ्लाइट में जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह के साथ नोएडा एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसान, कामगार और महिलाएं शामिल थीं। उड़ान शुरू होने के पहले दिन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू भी नोएडा एयरपोर्ट पहुंचे। सुबह 8.05 पहले यात्री विमान का स्वागत वाटर कैनन के जरिये सलामी देकर किया गया। संवाद

विधानसभा अध्यक्ष, किसान कामगार व महिलाएं बनीं ऐतिहासिक पल की साक्षी

नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि : राममोहन

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि नोएडा हवाई अड्डे का संचालन शुरू होना भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह अड्डा हवाई संपर्क को नई मजबूती प्रदान करेगा और व्यापार, पर्यटन, निवेश तथा



केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू

आधिकारिक फ्लाइट के पहले यात्री बने ग्रेनो के जिगनेश

नवीन कुमार

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट से उड़ने वाली पहली शेड्यूल्ड फ्लाइट में सफर कर इतिहास का गवाह बनना था। इसी मकसद से विदेशी दौरा भी जल्द खत्म कर दिया और दो दिन पहले ही चीन से भारत लौटा था। हालांकि यह नहीं सोचा था कि एयरपोर्ट से उड़ने वाल पहली फ्लाइट का पहला यात्री बनने का मौका मिलेगा। यह अनुभव ग्रेटर नोएडा के उद्यमी जिगनेश पांचाल ने बयान किया। उन्होंने नोएडा एयरपोर्ट से बंगलुरु की यात्रा की। वहाँ उनकी कंपनी है और यहाँ से मीटिंग में शामिल होने गए हैं।

ग्रेनो के औद्योगिक सेक्टर साइट-बी के उद्यमी जिगनेश पांचाल ग्रेटर नोएडा की जेपी ग्रोन्स सोसाइटी में रहते हैं। उनकी एक कंपनी बंगलुरु



यात्रा पर थे। 15 जून नजदीक थी और ऐतिहासिक पल से नहीं चूकना था। इस कारण टूर को दो दिन कम किया और शनिवार रात चीन से भारत आ गया। सोमवार सुबह 8:35 बजे की फ्लाइट के लिए तय समय से बॉर्डिंग गेट पर पहुंच गए। उन्होंने बताया कि वहाँ पहुंचने वाले पहले यात्री रहे। बॉर्डिंग के समय पता चला कि वह फ्लाइट में प्रवेश करने वाले पहले यात्री है। यह सुनकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने बताया कि वर्ष 1997 से शहर का विकास देख रहे हैं। अब यहाँ से हवाई जहाज भी उड़ने लगे हैं। यह एक अच्छा अनुभव रहा।

में भी है। वहाँ सोमवार दोपहर 3:30 बजे उनकी मीटिंग थी। जिगनेश चीन और कोरिया की

ताश व मोमेंटो देकर बनाया यादगार उद्यमी ने बताया कि एयरपोर्ट पर ऐतिहासिक पल को यादगार बनाया गया। उन्हें नोएडा एयरपोर्ट के नाम की ताश की गड़्डी दी गई। साथ ही कई मोमेंटो दिए गए। एयरलाईंस कर्मचारी ने हैंडमैड वेलकम कार्ड दिया। चाँकलेट के साथ एक गिफ्ट वाउचर भी मिला। कर्मचारियों ने जोरदार स्वागत किया। पहली यात्री बनने की खुशी अलग रही।

35 मिनट में एयरपोर्ट पहुंचे, दिल्ली जाते तो लगते एक घंटा 20 मिनट

जिगनेश दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से फ्लाइट पकड़ते थे। सुबह घर से निकले तो एक घंटा 20 मिनट एयरपोर्ट पहुंचने में लगते थे। वहीं दोपहर में यह समय एक घंटा 45 मिनट तक पहुंच जाता था। कभी कभी जाम के कारण दो घंटे भी लग जाते थे। वहीं सोमवार को उन्हें घर से जेवर में नोएडा एयरपोर्ट पहुंचने में मात्र 35 मिनट का समय लगा। उन्होंने बताया कि हालांकि पहली उड़ान 40 से 45 मिनट देरी से उड़ी।

भविष्य में प्रति वर्ष 7 करोड़ यात्री करेंगे सफर 15 लाख मीट्रिक टन तक होगी माल ढुलाई

लखनऊ, नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से

व्यावसायिक उड़ानों का संचालन शुरू होने के साथ ही उत्तर प्रदेश ने विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। यह केवल एक नए हवाई अड्डे की शुरुआत नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जेवर स्थित यह विश्वस्तरीय हवाई अड्डा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत के लाखों यात्रियों को सुविधाजनक हवाई संपर्क उपलब्ध कराएगा। इससे पर्यटन, निवेश और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, वहीं स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण को प्रति वर्ष 1.2 करोड़ यात्रियों की सेवा के लिए विकसित किया गया है। भविष्य में इसकी क्षमता बढ़ाकर सालाना 7 करोड़ से अधिक यात्रियों तक पहुंचाने की योजना है।

एक जुलाई से नियमित फ्लाइटें

हॉइंगो से जारी शेड्यूल के मुताबिक मंगलवार से को हैदराबाद, बंगलुरु, अमृतसर व लखनऊ के जम्मु के लिए भी उड़ानें शुरू हो जाएंगी। जम्मु के लिए सुबह 10 बजे फ्लाइट रहेगी। वहीं वापसी दोपहर 12:10 बजे रहेगी। एक जुलाई से नियमित उड़ान शुरू होगी है। इससे 16 तक शहरों की कनेक्टिविटी भी बढ़ जाएगी। इन उड़ान में अमृतसर, भोपाल, बंगलुरु, देहरादून, धर्मशाला, हैदराबाद, चंडीगढ़, जम्मू और जयपुर के लिए रोजाना फ्लाइट रहेगी। वहीं बरेली के लिए सप्ताह में चार दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को टिकट बुकिंग हो सकेगी।



Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

16 JUNE 2026



लखनऊ से नोएडा पहुंची पहली उड़ान में पायलट की वेशभूषा पहने इस मासूम ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। एआई

अब जेवर में निवेश के लिए आ रही हैं बड़ी-बड़ी कंपनियां : सीएम योगी

ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत में सर्वाधिक संभावनाओं वाले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने आज से कमर्शियल फ्लाइट प्रारंभ को है। ऐसे में आज का दिन जेवर, गौतमबुद्ध नगर, पश्चिमी उप्र, प्रदेश व देश के एविएशन सेक्टर के लिए ऐतिहासिक है, इसके पीछे प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की और योगदान किसानों का है। जेवर क्षेत्र 9 साल पहले उत्तर प्रदेश की आपराधिक गतिविधियों का केंद्र बन गया था। अब जेवर में निवेश के लिए आ रही हैं बड़ी-बड़ी कंपनियां आ रही हैं।

■ दुनिया के पांच बड़े विश्वविद्यालय कैम्पस आएंगे जेवर सीएम ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग यूनिट, सेमीकंडक्टर यूनिट, डाटा सेंटर, फिल्म सिटी, टूबाय पार्क, अपरेल पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स को विश्वस्तरीय सिटी भी जेवर क्षेत्र में स्थापित होगी। विश्व रैंकिंग वाले दुनिया के पांच बड़े प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय यहां कैम्पस स्थापित करने आ रहे हैं। ब्यूटे



विमान में सवार किसान और कामगार। एआई

किसानों ने जताया सरकार का आभार

नोएडा एयरपोर्ट से पहली उड़ान जब लखनऊ पहुंची तो यात्रा करने वाले किसानों के लिए सपना पूरा होने जैसी स्थिति थी। किसानों ने भव्य एयरपोर्ट देखा। वहीं से मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और सीएम का आभार जताया।

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

16 JUNE 2026

सम्मान

सीएम नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पहली फ्लाइट से सीएम से मिलने पहुंचे किसान

अब जेवर में निवेश के लिए आ रही हैं बड़ी कंपनियां : योगी

लखनऊ। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के निर्माण के लिए अपनी जमीन देने वाले किसान सोमवार को लखनऊ पहुंचे। जेवर से लखनऊ के लिए संचालित पहली फ्लाइट से राजधानी पहुंचे इन किसानों का मुख्यमंत्री आवास पर भव्य स्वागत किया गया। यहां किसानों ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न प्रदान किया और उनके प्रति आभार भी प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि जेवर अब वह क्षेत्र बन गया है, जहां कुबेर भी आना चाहते हैं। उन्होंने कर्मशियल फ्लाइट प्रारंभ करने के लिए इंडिगो के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर सीएम ने कहा कि



जब हमारी कैबिनेट ने जेवर में एयरपोर्ट निर्माण के लिए प्रस्ताव पारित किया तो मैंने नोएडा के जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों से कहा कि 100 दिन के भीतर जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई प्रारंभ हो जाए, लेकिन इस अवधि तक कार्रवाई प्रारंभ नहीं हुई। मैंने वहां पहुंचकर समीक्षा बैठक ली

अब कुबेर भी आना चाहते हैं जेवर, किसान भी होंगे समृद्ध
सीएम ने कहा कि आज बड़ी से बड़ी कंपनियां जेवर आना चाहती हैं। वहां अब कुबेर भी आना चाहते हैं। जेवर एयरपोर्ट भारत का पहला कार्गो व एमआरओ केंद्र बनने जा रहा है। अन्न, फल, मत्स्य, सब्जी आदि पैदा करने वाला उत्तर प्रदेश का किसान यहां कार्गो से अपने उत्पादों को दुनिया में पहुंचाएगा। स्थानीय बाजार में उसे दाम भले कम मिले, लेकिन दुनिया के बाजार में कई गुना दाम मिलेगा। आम का दाम यहां अधिकतम 50 रुपये पहुंचेगा, लेकिन दुनिया के बाजार में 800 से 1000 रुपये किलो बिकता है। 200 रुपये प्रति किलो कार्गो खर्च जोड़ लें, तब भी किसान को 600 रुपये का लाभ मिलेगा। जिस किसान को यहां 10 रुपये प्रति किलो का लाभ नहीं मिल पा रहा, उसे 600 रुपये का लाभ मिलेगा तो वह समृद्ध बनेगा।

तो पता चला कि कोई प्रगति नहीं हुई है। तब मैंने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में लगभग 100 किसानों के साथ बैठक की। मैंने कहा कि एयरपोर्ट बनाना है तो किसानों ने जमीन देने से इनकार

कर दिया। असमंजस की स्थिति थी। मैंने कहा कि हम यहां विकास करना चाहते हैं, फिर भी लोगों ने मना कर दिया। मैंने अनुरोध किया कि एक घंटे का समय है, सोचिए। यह एयरपोर्ट आपकी तकदीर बदल देगा।

Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE

DELHI

16 JUNE 2026

Noida airport opens for business, eyes a 'true aerotropolis' status

GROWTH CATALYST. Aims to boost regional travel options, serve as economic hub for western UP and beyond

Rohit Vaid
New Delhi

The National Capital Region (NCR) got its third airport on Monday as Noida International Airport (NIA) at Jewar commenced domestic commercial operations, and the Centre is thinking well beyond runways and terminals.

The vision is of a true aerotropolis: a self-sustaining economic universe where manufacturing, information technology, hospitality, cargo, agriculture and aviation services grow around the greenfield facility, generating employment and economic activity for a region that stretches from western Uttar Pradesh all the way to Agra.

Union Civil Aviation Minister Kinjarapu Ram Mohan Naidu, speaking at the launch of domestic commercial operations, said: "It is the vision of both the Government of Uttar Pradesh and the Government of India that NIA should evolve not only as a transportation hub but as a true aerotropolis."

The ambition, he added, was for NIA to become "an integrated ecosystem" where industries ranging from manufacturing and information technology to hospitality, cargo, maintenance repair and overhaul services, and other aviation-related activities develop organically around the airport.



CONNECTIVITY BOOST. IndiGo flight 6E-2278 receives a water salute as commercial flight operations kick off at Noida International Airport in Jewar on Monday.

ECONOMIC ACTIVITY

"This airport is not merely about transporting passengers from one place to another. Across the world, wherever airports emerge, tremendous economic activity follows," the Minister said.

The launch itself carried a moment that set the tone for what the government wants this airport to represent. Among the first passengers to fly out of NIA were farmers whose land was acquired to build it.

They were flown to Lucknow in a gesture conceived by Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath as a symbol of respect and gratitude towards those who made the project possible.

IndiGo became the first airline to operate from NIA, with its inaugural arrival touching down from Lucknow on Monday morning. The first departure from the airport took off for Bengaluru shortly thereafter,

marking the formal beginning of commercial services at a facility that Prime Minister Narendra Modi had inaugurated in March this year. The airline said the commencement of operations from NIA represents a significant milestone in strengthening regional connectivity and expanding travel options for passengers across Delhi-NCR and western Uttar Pradesh.

TRANSITION TRIALS

The airport has completed extensive operational readiness, activation and transition trials ahead of the commercial launch, with international operations expected to follow in the coming months.

For passengers asking the most basic question — how do I get there — the answer is more reassuring than it might seem for a greenfield airport built on the outskirts of the NCR. NIA sits along the Yamuna Expressway, one

of the region's most important arterial roads, and its connectivity network has been designed to serve a vast catchment area.

"Within a one-hour radius, crores of people will have access to this important airport, connecting them not only to destinations across India but also to international destinations in the future," Naidu said.

The proposed Delhi-Varanasi High-Speed Rail Corridor, once operational, is expected to further cement that connectivity, potentially making NIA one of the best-connected greenfield airports in the country and drawing passengers who might otherwise default to the congested Indira Gandhi International Airport (IGIA).

BUILT FOR SCALE

The cargo infrastructure, too, is already in place and built for scale.

Developed through Air India SATS Airport Services Pvt Ltd, the airport's dedicated cargo terminal has an initial handling capacity of 200,000 metric tonnes annually, with expansion plans that would take that figure to 1.5 million tonnes in the future.

A significant part of that capacity is expected to serve the agricultural economy of western Uttar Pradesh, giving farmers and agribusinesses a direct air link to domestic markets and,

eventually, international ones.

Naidu underlined that the airport's cargo network would serve to ferry agricultural produce alongside products from manufacturing and information technology sectors, a dimension of the aerotropolis vision that goes beyond the conventional airport-as-passenger-hub model and speaks directly to the region's economic character.

The development of an aerotropolis around the airport, Naidu said, would create a strong economic base serving both India and the international community, and would eventually emerge as a major employment generator for the region.

This is a claim that greenfield airports have made before, but one that carries more weight here given NIA's strategic location, the depth of its connectivity ambitions, and the scale of investment already committed around it.

NIA joins IGIA and Hindon Airport as the third airport serving the NCR, bringing much-needed capacity relief to a region that has long strained against the constraints of a single major hub. Its strategic location along the Yamuna Expressway positions it as something more than a pressure valve for IGIA if the surrounding ecosystem develops as envisaged.



Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE

DELHI

16 JUNE 2026

'Dream come true', say Jewar farmers after taking first flight from Noida airport

Press Trust of India
Lucknow

Around 170 villagers, whose land was acquired for the development of Noida International Airport, boarded the first passenger flight from the newly-operational airport on Monday and described to the Uttar Pradesh Chief Minister their air journey to Lucknow as a "dream come true".

For most of the travellers from Jewar, including 28 women, it was their first air travel, according to MLA Dharendra Singh, who said the moment reflected the participation of farmers in the airport's development journey.

The passengers reached Lucknow on the launch-day flight after the airport commenced passenger services on Monday morning.

They were welcomed by Chief Minister Yogi Adityanath at his residence, where they expressed gratitude for being part of the historic journey.

Farmers, during their interaction with Adityanath, said a long-cherished dream of travelling by air was ful-



OFFERING GRATITUDE. Union Civil Aviation Minister Kinjarapu Ram Mohan Naidu meets farmers and their families, who gave their land for the Noida International Airport in Gautam Buddha Nagar, on Monday *ANI*

filled and described the experience as "unforgettable".

Jewar resident Poonam, whose land was acquired for the airport project, said it was her first opportunity to sit in an aircraft. She thanked the Chief Minister and said the initiative had increased the respect and confidence of farmers.

MATTER OF PRIDE

Farmer Dharmveer Sharma said having a world-class international airport in their village area was a matter of pride. "The government has

made farmers wearing slippers sit in an aircraft, proving that the benefits of development can reach the last person," he said, while thanking Adityanath and Singh.

Hira Rashid, a young doctor from the region, was among the passengers. She said the flight journey to Lucknow felt like "a dream becoming reality".

She credited the Chief Minister and the Jewar MLA for the development.

Farmer Haji Zafar said the government had taken farm-

ers' consent during the land acquisition process and that they had "willingly contributed their land" for the project.

He said he was proud of the development and appreciated that government schemes were reaching people without discrimination.

Another farmer, Iqbal Kallu, said losing land for the airport had now become a part of a larger development journey as farmers were made stakeholders in the project — beyond just receiving compensation.

Women passengers also shared their thoughts about the experience.

'BEYOND WORDS'

Farmer Suman said she travelled by air for the first time, and a dream she had carried for years had finally been fulfilled. Meenu said she saw her land from the sky for the first time after the airport was built and described the experience as "beyond words".

Earlier in the day, the group boarded one of the first IndiGo flights from Noida International Airport to Lucknow.

नोएडा से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू

बीएस संवाददाता

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार से वाणिज्यिक उड़ान परिचालन शुरू हो गया जिसके तहत लखनऊ से इंडिगो की पहली उड़ान यहां पहुंची। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके कुछ ही देर बाद हवाई अड्डे से लखनऊ के लिए पहली उड़ान भी रवाना हुई। इस विमान में जेवर क्षेत्र के 172 ग्रामीण सवार थे, जिनकी जमीन हवाई अड्डे के पहले चरण के विकास के लिए राज्य सरकार ने अधिग्रहीत की थी। जेवर में उड़ान परिचालन शुरू होने के साथ ही दिल्ली-एनसीआर उन चुनिंदा वैश्विक महानगरों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जहां एक से अधिक हवाई अड्डे संचालित हैं।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने कहा कि जो सपना एक दशक पहले असंभव प्रतीत होता था, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साकार कर दिखाया। उन्होंने कहा कि यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है, तो उसके पास मजबूत और आधुनिक परिवहन नेटवर्क होना आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने 25 नवंबर 2021 को इस हवाई अड्डे की आधारशिला रखी थी और 28 मार्च 2026 को इसका उद्घाटन किया था। नायडू ने कहा, 'हम नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को केवल एक ट्रांजिट या परिवहन केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि एक 'एयरोट्रोपोलिस' के रूप में विकसित होते देखना चाहते हैं। 'एयरोट्रोपोलिस' से हमारा आशय एक ऐसा क्षेत्र, जहां हवाई अड्डे के आसपास विभिन्न उद्योग विकसित हों और एक मजबूत आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हो, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेवाएं प्रदान कर सके।' हवाई अड्डा अधिकारियों के अनुसार, इंडिगो की उड़ान 6ई-2278 लखनऊ के चौधरी



नोएडा हवाई अड्डे पर पहली उड़ान में आई महिला किसान

चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह सात बजकर 12 मिनट पर रवाना हुई और सात बजकर 58 मिनट पर नोएडा

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। इस आगमन के साथ ही जेवर स्थित हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक उड़ान परिचालन की औपचारिक शुरुआत हो गई। पहली प्रस्थान उड़ान सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर लखनऊ के लिए रवाना हुई। इसमें अन्य यात्रियों के अलावा जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राकेश सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेंद्र भाटिया तथा पीसीएस अधिकारी एवं जेवर के पूर्व उप जिलाधिकारी (एसडीएम) अभय सिंह समेत प्राधिकरण के कई अधिकारी सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि नयी हवाई संपर्क सुविधा से कारोबारियों, विद्यार्थियों, पेशेवरों और अन्य यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे तथा क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे को एक बहु-माध्यमीय

(मल्टी-मोडल) परिवहन केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां हवाई, सड़क और अन्य परिवहन साधनों के माध्यम से निर्बाध संपर्क सुनिश्चित किया गया है। एक बयान में इंडिगो के मुख्य रणनीति अधिकारी आलोक सिंह ने इस हवाई अड्डे के उद्घाटन को भारत के विमानन क्षेत्र की विकास यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा, 'नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से परिचालन शुरू करने वाली पहली विमानन कंपनी होना इंडिगो के लिए केवल एक व्यावसायिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और उन लाखों यात्रियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिनके लिए यह हवाई अड्डा नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। हमें पहले दिन से इस यात्रा का हिस्सा बनने पर गर्व है।'

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उपाध्यक्ष क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि पहली विमानन कंपनी के रूप में इंडिगो का लक्ष्य एनआईए को देश के प्रमुख शहरों से जोड़ना है, जिससे यात्रियों को शुरुआत से ही अधिक विकल्प और बेहतर सुविधाएं मिल सकें।



Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD

DELHI

16 JUNE 2026

NOIDA INTERNATIONAL AIRPORT: FIRST TAKEOFF, FIRST LANDING

Noida International Airport on Monday received its first landing with an IndiGo flight arriving from Lucknow, officials said. The event was shortly followed by the first takeoff from the greenfield project by a flight to Lucknow. The plane carried villagers from the Jewar region whose land was acquired by the state government for the first phase development of the airport. IndiGo flight 6E 2278 took off from Chaudhary Charan Singh International Airport, Lucknow and landed at Noida International Airport, according to airport officials.

PTI



The first ceremonial IndiGo flight 6E 2278 from Lucknow, carrying 172 farmers who had given land for the project, lands at the Noida International Airport, Jewar, Uttar Pradesh, on Monday

PHOTO:PTI



Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR

DELHI

16 JUNE 2026

शुरुआत • नोएडा एयरपोर्ट से यात्री उड़ानें शुरू, इंडिगो के विमान की पहली लैंडिंग जेवर से लखनऊ के लिए पहली उड़ान, जमीन देने वाले 172 ग्रामीण पहले यात्रियों में शामिल

भास्कर न्यूज़ | नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को पहली बार यात्री विमान की लैंडिंग हुई। लखनऊ से आई इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2278 सुबह 7.58 बजे नोएडा एयरपोर्ट पर उतरी। इसी विमान ने करीब 8.10 बजे यहां से पहली उड़ान भरी। जेवर क्षेत्र के 172 ग्रामीण भी यात्रियों में शामिल थे। एयरपोर्ट के लिए इनकी जमीन अधिग्रहित की गई थी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा, 'हम नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एरोट्रोपोलिस के रूप में बढ़ते देखना चाहते हैं। इसका अर्थ है कि इलाके के आसपास इंडस्ट्री आएँ और आर्थिक आधार मजबूत बने।'।



विमान में सवार महिलाएं। लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया।



दिल्ली-एनसीआर भी अब दो एयरपोर्ट वाला वैश्विक हब जेवर एयरपोर्ट शुरू होने के साथ ही दिल्ली-एनसीआर लंदन, न्यूयॉर्क, टोक्यो, पेरिस, बीजिंग और शंघाई जैसे चुनिंदा वैश्विक महानगरीय क्षेत्रों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जहां हवाई यातायात संभालने के लिए एक से अधिक बड़े वाणिज्यिक एयरपोर्ट संचालित हैं। इंडिगो के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर आलोक सिंह ने कहा कि इस एयरपोर्ट की शुरुआत भारत की एविएशन कहानी का नया अध्याय है।

Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR

DELHI

16 JUNE 2026

उम्मीद • प्रस्तावित आईएमटी नोएडा एयरपोर्ट के बेहद करीब होगी, इससे उद्योगों को सीधे वैश्विक बाजारों से जुड़ने का अवसर मिलेगा

नई आईएमटी से एयरपोर्ट 10 से 15 मिनट में आवाजाही संभव: गुर्जर

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार से उड़ानों का संचालन शुरू होने के साथ ही फरीदाबाद व पलवल के औद्योगिक विकास को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद जगी है। लोगों का मानना है कि यह एयरपोर्ट सिर्फ हवाई यात्रा का साधन नहीं, बल्कि पूरे एनसीआर का आर्थिक परिदृश्य बदलने वाला महत्वपूर्ण केंद्र साबित होगा। फरीदाबाद में वर्तमान में 30 हजार से अधिक छोटे-बड़े उद्योग संचालित हैं। इसके अलावा यमुना के आसपास करीब नौ हजार एकड़ क्षेत्र में नई इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) विकसित करने की योजना पर भी काम चल रहा है। प्रस्तावित आईएमटी नोएडा एयरपोर्ट के बेहद करीब होगी, जिससे उद्योगों को सीधे वैश्विक बाजारों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

नई आईएमटी और एयरपोर्ट के बीच महज 10 से 15 मिनट में आवाजाही संभव हो सकेगी।

विदेशी निवेशकों के आने की संभावना एमएफए के महासचिव रमणीक प्रभाकर के अनुसार बेहतर कनेक्टिविटी के कारण विदेशी निवेश आकर्षित होने की संभावना बढ़ेगी। बड़ी औद्योगिक कंपनियां और बहुराष्ट्रीय संस्थान फरीदाबाद व पलवल में अपने संयंत्र स्थापित करने की दिशा में रुचि दिखा सकते हैं। हरियाणा सरकार भी नोएडा एयरपोर्ट से जुड़ने वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के आसपास आईटी हब और औद्योगिक गलियारा विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। शहर के लोगों के पास अभी दिल्ली एयरपोर्ट का ही विकल्प था, लेकिन नोएडा एयरपोर्ट शुरू होते ही फरीदाबाद के लोगों को एक और विकल्प मिल गया है।

प्रॉपर्टी कारोबार भी बढ़ने की उम्मीद

एयरपोर्ट का सकारात्मक प्रभाव रियल एस्टेट सेक्टर पर भी पड़ने की उम्मीद है। बेहतर कनेक्टिविटी और रोजगार के अवसर बढ़ने से आवासीय व व्यावसायिक संपत्तियों की मांग में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में लोग नोएडा के साथ-साथ फरीदाबाद को भी निवेश व आवास के लिए बेहतर विकल्प के रूप में देखेंगे।

विकास को मिलेगी नई ऊंचाइयां

गुर्जर केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि लगातार



बेहतर होती कनेक्टिविटी से फरीदाबाद के विकास को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। निर्माणाधीन

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे अगले वर्ष तक तैयार हो जाएगा। इसका 73 प्रतिशत से ज्यादा कार्य पूरा हो चुका है। इससे यहां के लोग सीधे

एयरपोर्ट आवाजाही कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इंदिरा गांधी हवाई अड्डे ने गुरुग्राम के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, उसी तरह नोएडा एयरपोर्ट फरीदाबाद के लिए गेम चेंजर साबित होगा। एयरपोर्ट की सुविधा मिलने से निर्यातक कंपनियों को बड़ा लाभ होगा। उद्यमियों को विदेशी ग्राहकों से संपर्क के लिए दिल्ली के ट्रैफिक जाम से नहीं जूझना पड़ेगा।



उवाच

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे हवाई संपर्क मजबूत होगा और व्यापार, पर्यटन, निवेश तथा रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि योगी सरकार उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के संकल्प के साथ लगातार कार्य कर रही है और यह एयरपोर्ट उस दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा : राममोहन नायडू किंजरापुर, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री।

कैपिटल ज़ोन

जेवर के आसमान में गूंजी पहली उड़ान

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शुरू हुआ व्यवसायिक संचालन



ग्रेटर नोएडा, 15 जून (देशबन्धु)। वर्षों के इंतजार, हजारों करोड़ रुपए के निवेश और अनगिनत तैयारियों के बाद सोमवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से व्यवसायिक उड़ानों का संचालन शुरू हो गया। सुबह से ही एयरपोर्ट परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। यात्रियों, एयरलाइन अधिकारियों, एयरपोर्ट प्रबंधन और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पहली नियमित उड़ान ने जेवर के आसमान में नई उड़ान का इतिहास रच दिया।

लखनऊ से पहुंची पहली फ्लाइट, बंगलुरु के लिए भरी उड़ान

पश्चिमी उत्तर प्रदेश को मिला वैश्विक कनेक्टिविटी का नया द्वार

सुबह निर्धारित समय पर लखनऊ से इंडिगो की पहली व्यवसायिक उड़ान नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे पर उठी। विमान के उतरते ही वाटर कैनन सलामी देकर उसका स्वागत किया गया। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ नीतू समरा ने यात्रियों का स्वागत किया। एयरपोर्ट टर्मिनल के भीतर यात्रियों का स्वागत पारंपरिक अंदाज में किया गया। पहली उड़ान के यात्रियों के चेहरे पर उत्साह और गर्व साफ दिखाई दे रहा था। पहली फ्लाइट के आगमन के बाद एयरपोर्ट संचालन से जुड़े सभी विभागों की गतिविधियां तेज हो गईं। सुरक्षा जांच, बैगज हैंडलिंग, बोर्डिंग प्रक्रिया और एयर ट्रेफिक कंट्रोल की व्यवस्थाओं का वास्तविक संचालन में परीक्षण भी हुआ। अधिकारियों के अनुसार सभी प्रक्रियाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुचारू रूप से संचालित हुईं। इसके बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली व्यवसायिक उड़ान बंगलुरु के लिए रवाना हुई। जैसे ही विमान रनवे से उड़ान भरकर आसमान में पहुंचा, वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर इस ऐतिहासिक पल का स्वागत किया। इस क्षण के साथ ही जेवर एयरपोर्ट देश के सक्रिय विमानन केंद्रों

अभिनेत्री व पायलट गुल पनाग ने पहली यात्रा कर मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री को दी बधाई

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से घरेलू उड़ानों की शुरुआत के साथ ही बॉलीवुड एक्ट्रेस गुल पनाग भी इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनीं। उन्होंने लखनऊ से नोएडा के बीच संचालित पहली कमर्शियल फ्लाइट में सफर किया। अपने इसी एक्सपीरियंस को उन्होंने कहा कि इस नई हवाई सेवा और एयरपोर्ट को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। एक एविएशन एंथुजियास्ट के रूप में यह सफर मेरे लिए बेहद खास था। लखनऊ से जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पहली उड़ान उड़ान का हिस्सा बनकर मैं बेहद रोमांचित हूँ। उन्होंने मोडिया से बात करते हुए कहा कि भारत का यह सबसे बड़ा हवाई अड्डा कनेक्टिविटी, मोबिलिटी और आर्थिक अवसरों के मामले में इस पूरे क्षेत्र के लिए क्या नए रास्ते खोलता है।



की सूची में औपचारिक रूप से शामिल हो गया।

पहले दिन कई शहरों के लिए उड़ानों का संचालन

एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार शुरुआती चरण में लखनऊ, बंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद, पुणे, कोलकाता और अहमदाबाद समेत प्रमुख शहरों के लिए उड़ानों का संचालन किया जा रहा है। आने वाले महानों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में लगातार वृद्धि की जाएगी।

पहले दिन एयरपोर्ट पर यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई। सीआईएसएफ, एयरपोर्ट सुरक्षा इकाइयों और स्थानीय प्रशासन ने पूरे परिसर में विशेष निगरानी रखी। प्रवेश द्वार से लेकर बोर्डिंग गेट तक हर स्तर पर सुरक्षा जांच की गई।

किसानों और मजदूरों के लिए भावनात्मक दिन

यह दिन जेवर और आसपास के गांवों के किसानों और खेतिहर मजदूरों के लिए भी बेहद भावनात्मक रहा। जिन खेतों में कभी फसलें लहलहाती थीं, उसी भूमि पर बने आधुनिक एयरपोर्ट से अब विमान उड़ान भर रहे हैं। कई स्थानीय ग्रामीण इस

ऐतिहासिक पल को देखने एयरपोर्ट के आसपास पहुंचे और इसे क्षेत्र के विकास का नया अध्याय बताया।

पश्चिमी यूपी की अर्थव्यवस्था को मिलेगा बड़ा बल

विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट के संचालन से पश्चिमी उत्तर प्रदेश, एनसीआर और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में निवेश, उद्योग, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। एयरपोर्ट के आसपास विकसित हो रहे लॉजिस्टिक्स हब, वेयरहाउसिंग, होटल, औद्योगिक पार्क और एयरोसिटी परियोजनाओं को भी गति मिलेगी।

नई पहचान के साथ शुरू हुआ नया अध्याय

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पहली व्यवसायिक उड़ान केवल विमानन सेवा की शुरुआत नहीं, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन की नई उड़ान भी है। सोमवार को जेवर के आसमान में उड़े विमानों ने यह संदेश दिया कि अब यहाँ क्षेत्र

केवल कृषि और पारंपरिक गतिविधियों तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक निवेश, आधुनिक अवसंरचना और अंतरराष्ट्रीय संपर्क का नया केंद्र बनने की ओर बढ़ चुका है।

यात्रियों को मिलेगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

एयरपोर्ट पर डिजिटल यात्रा प्रणाली, सेल्फ चेक-इन, सेल्फ बैग ड्रॉप, आधुनिक सुरक्षा जांच और स्मार्ट नेविगेशन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। टर्मिनल भवन का डिज़ाइन आधुनिक तकनीक और भारतीय सांस्कृतिक विरासत का अनुभूत संगम प्रस्तुत करता है। वाराणसी के घाटों से प्रेरित स्थापत्य, पारंपरिक जालीदार डिज़ाइन और प्राकृतिक रोशनी का व्यापक उपयोग यात्रियों को विशेष अनुभव देगा। यात्रियों की सुविधा के लिए टैक्सी, ऐप आधारित कैब और दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के विभिन्न शहरों के लिए बस सेवाओं की भी व्यवस्था की गई है। आगामी चरणों में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत के साथ यह एयरपोर्ट वैश्विक संपर्क का प्रमुख केंद्र बनेगा।

विमानों के संचालन की खास बातें नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से व्यवसायिक उड़ानों का संचालन शुरू, लखनऊ से पहुंची पहली फ्लाइट का वाटर कैनन सलामी से स्वागत।

बंगलुरु के लिए रवाना हुई पहली प्रस्थान उड़ान। सुरक्षा, बैगज और बोर्डिंग व्यवस्था का सफल संचालन। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को मिला नया अंतरराष्ट्रीय विमानन केंद्र। निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को मिलेगी नई गति।

जेवर बनाम दिल्ली : नोएडा एयरपोर्ट के शुरू होते ही बदलेगा हवाई यातायात का समीकरण

देवेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा, 15 जून (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) से वाणिज्यिक उड़ानों की शुरुआत के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में हवाई यातायात का नया अध्याय शुरू हो गया है। देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) पर वर्षों से बढ़ते यात्री दबाव को अब राहत मिलने की उम्मीद है। विमानन विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दक्षिण दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, आगरा और आसपास के क्षेत्रों के बड़ी संख्या में यात्री अब जेवर एयरपोर्ट का रुख करेंगे।

आईजीआई एयरपोर्ट पर कितना पड़ सकता है असर

दिल्ली का आईजीआई एयरपोर्ट वर्तमान में देश का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट है, जहां सालाना करोड़ों यात्री आवाजाही करते हैं। एयरपोर्ट के कई टर्मिनल और तीन रनवे लगातार उच्च क्षमता पर संचालित होते हैं। ऐसे में जेवर एयरपोर्ट के संचालन से शुरुआत में सीमित लेकिन धीरे-धीरे महत्वपूर्ण प्रभाव देखने को मिल सकता है।

यात्रियों की नजर में

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश के यात्रियों को दिल्ली तक जाने की आवश्यकता कम होगी।
- घरेलू उड़ानों का एक हिस्सा जेवर की ओर स्थानांतरित हो सकता है।
- एयरलाइंस को नए स्लॉट और कम भीड़ वाला विकल्प मिलेगा।
- आईजीआई एयरपोर्ट पर पार्किंग, टैक्सींग और टर्मिनल दबाव में कमी आ सकती है।
- भविष्य में कार्गो और लो-कॉस्ट एयरलाइंस का बड़ा हिस्सा जेवर की ओर शिफ्ट होने की संभावना है।

हालांकि अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी और ट्रांजिट हब के रूप में आईजीआई एयरपोर्ट की भूमिका फिलहाल मजबूत बनी रहेगी। बड़ी वैश्विक एयरलाइंस और लंबी दूरी की अधिकांश उड़ानें अभी भी दिल्ली एयरपोर्ट से ही संचालित होती रहेंगी।

तकनीकी सुविधाओं में जेवर की बढ़त

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की अत्याधुनिक तकनीक और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। यह देश के सबसे आधुनिक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट में शामिल है।

जेवर एयरपोर्ट की प्रमुख विशेषताएं

- अत्याधुनिक डिजिटल यात्री प्रबंधन प्रणाली।
- संपर्क रहित (कॉन्टैक्टलेस) यात्रा सुविधा।
- उन्नत बैग्मज हैंडलिंग सिस्टम।

आईजीआई पर घटेगा दबाव, पश्चिमी यूपी और एनसीआर के लाखों यात्रियों को मिलेगा नया विकल्प

आधुनिक तकनीक और क्षमता के मामले में दोनों एयरपोर्ट की अपनी अलग ताकत

- ऊर्जा दक्ष और पर्यावरण अनुकूल डिजाइन।
- भविष्य में छह रनवे तक विस्तार की योजना।
- बड़े कार्गो और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होने की क्षमता।
- मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए एक्सप्रेस वे, मेट्रो और रेल नेटवर्क की योजना।
- अनुभव और वैश्विक नेटवर्क में आईजीआई आगे।
- दिल्ली का आईजीआई एयरपोर्ट वर्षों से अंतरराष्ट्रीय विमानन केंद्र के रूप में स्थापित है।

आईजीआई एयरपोर्ट की प्रमुख ताकत

- तीन परिचालित रनवे।
- विशाल घरेलू और अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल नेटवर्क।
- दुनिया के प्रमुख शहरों से सीधी कनेक्टिविटी।
- उन्नत एयर ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम।
- बड़ी संख्या में एयरलाइंस और अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिट सुविधाएं।
- विशाल मेंटेनेंस, रिपेयर और एविएशन इकोसिस्टम।

प्रतिस्पर्धा नहीं, पूरक भूमिका निभाएंगे दोनों एयरपोर्ट

विमानन क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि जेवर और आईजीआई एयरपोर्ट को प्रतिस्पर्धी के बजाय पूरक अवसंरचना के रूप में देखा जाना चाहिए। जिस तरह मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट मिलकर महानगरीय क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करेंगे, उसी तरह दिल्ली और जेवर एयरपोर्ट संयुक्त रूप से एनसीआर की बढ़ती हवाई यात्रा मांग को संभालेंगे।

क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा लाभ

जेवर एयरपोर्ट के संचालन से केवल यात्री यातायात ही प्रभावित नहीं होगा, बल्कि औद्योगिक निवेश, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग, पर्यटन, होटल और रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश का आर्थिक महत्व और अधिक मजबूत होगा।





नई दिल्ली, मंगलवार
16 जून, 2026

राजधानी
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 18+4=22

www.jagran.com

1.2

करोड़ यात्रियों को नोएडा एयरपोर्ट पहले चरण में सालाना हैंडल कर सकेगा

दैनिक जागरण

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर,

हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित



7 करोड़ सालाना यात्रियों से अधिक क्षमता हो जाएगी पूर्ण विकास के बाद

नोएडा एयरपोर्ट से विकास की उड़ान

4 शहरों के लिए पहले दिन मिली सुविधा, इंडिगो ने लखनऊ भेजा अपना पहला विमान

172

किसानों ने की यात्रा, जिनमें 28 महिलाएं भी थीं शामिल

बड़ी उपलब्धि: एनसीआर को कमर्शियल उड़ानों वाला तीसरा एयरपोर्ट मिला

बढ़ी सुविधा: पहले चरण में ढाई दर्जन शहरों को जेवर से मिलेगी कनेक्टिविटी

बढ़ा दायरा: अब देश के कुल सक्रिय हवाई अड्डों की संख्या 165 हुई

बड़ा मौका: केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के बोलें, दूसरे उद्योगों को भी मिलेगा बढ़ावा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को औपचारिक रूप से कमर्शियल उड़ानों की शुरुआत हो गई। इंडिगो एयरलाइंस की लखनऊ से आई फ्लाइट 6ई 2278 को लैंडिंग के साथ एयरपोर्ट पर पैसेंजर अपरेशंस शुरू हो गए। इसी विमान ने एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले लगभग 172 किसानों (जिनमें 28 महिलाएं भी शामिल) को लेकर लखनऊ के लिए पहली उड़ान भरी और भारत के एक्विशन मानचित्र पर जेवर को स्थापित कर दिया। इसके साथ ही देश की आर्थिक और गौतमबुद्ध नगर के विकास में एक नया अध्याय जुड़ गया। यह एनसीआर का तीसरा कमर्शियल एयरपोर्ट है, जिससे देश के कुल सक्रिय हवाई अड्डों की संख्या 165 पहुंच गई है। केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार संयुक्त तौर पर नोएडा एयरपोर्ट को एनसीआर में उड्डयन संबंधी औद्योगिक विकास के लिए एक केंद्र के तौर पर स्थापित करने की योजना पर काम कर रही है।

लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी से मिले उड़ान भरने वाले किसान

इंडिगो की उड़ान से लखनऊ पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आवास पर किसानों का स्वागत किया। इस दौरान किसानों ने इस ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि इस यात्रा से उनका हवाई यात्रा करने का सपना पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान प्रदेश की समृद्धि की नींव हैं और विकास में उनके योगदान का सम्मान किया जाना चाहिए। नोएडा से रवाना होने से पहले केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के राममोहन नायडू ने भी किसानों और उनके परिवारों से शतकीर्ति में उनके योगदान को रेखांकित किया।

इस अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा, 10 वर्ष पहले जो असंभव लगता था, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संभव बना दिया गया है। वर्ष 2047 तक विकसित



लखनऊ में सोमवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण के लिए अपनी भूमि समर्पित करने वाले अन्नदाताओं का स्वागत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ये किसान पहली कमर्शियल उड़ान सेवा के सच्ची वने और मुख्यमंत्री के साथ अपना अनुभव भी साझा किया। ● तृप्ता मिश्रा

भारत बनाने के लिए एयरपोर्ट नेटवर्क को भी एक विकसित देश की तरह विकसित करने के लिए अभी से काम करना होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट सिर्फ एक ट्रांजिट हब के तौर पर स्थापित नहीं

होगा, बल्कि ऐरोड्रोमोलिस (एक ऐसा शहरी क्षेत्र जिसका पूरा ढांचा, अर्थव्यवस्था और व्यवसाय मुख्य रूप से एक एयरपोर्ट के चारों ओर केंद्रित होते हैं) के तौर पर अपने साथ कई दूसरे उद्योगों को बढ़ावा

देना वाला साबित होगा। पहले चरण में यह एयरपोर्ट सालाना 1.2 करोड़ पैसेंजर्स को हैंडल कर सकेगा, जबकि पूर्ण विकास के बाद क्षमता सात करोड़ सालाना से अधिक हो जाएगी।

जिन खेतों से आसमान में उड़ते देखें जहाज, वहीं से भरी उड़ान

नोएडा : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार सुबह कमर्शियल फ्लाइटों का संचालन शुरू होने के साथ ही एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों ने भी उड़ान भरी। इंडिगो की विशेष फ्लाइट से 28 महिलाओं सहित 172 किसान लखनऊ के लिए रवाना हुए। इस दौरान उनकी उत्साह देखते बन रहा था। उनका कहना था कि कभी इन खेतों में खड़े होकर आसमान में जहाज उड़ते देखे थे, अब इन्हीं खेतों में बने एयरपोर्ट से हवाई जहाज से उड़ान भरी, इससे ज्यादा खुशी और क्या होगी?

विरतुत >> पेज 4

देश के 16 से अधिक गंतव्यों को सीधे जोड़ेगी इंडिगो: पहली उड़ान संचालित करने वाली देश की सबसे बड़ी एक्विशन कंपनी इंडिगो ने कहा कि वह जल्द ही देश के 16 से अधिक गंतव्यों को नोएडा

इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीधे जोड़ेगी। यह नेटवर्क छोटे शहरों और प्रमुख महानगरों के बीच कई वन स्टाप कनेक्शंस भी उपलब्ध कराएगा, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यात्रियों के लिए यात्रा के विकल्प बेहतर होंगे। टिबर-2 और टिबर-3 शहरों व प्रमुख महानगरों के बीच पहुंच को भी बढ़ावा मिलेगा और व्यावसायिक व पर्यटन दोनों तरह के यात्रियों के लिए हवाई कनेक्टिविटी का विस्तार या जाएगा।

दिसंबर तक 200 से ज्यादा उड़ानों की संभावना: इंडिगो की प्राथमिकता नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अमृतसर, बरेली, भोपाल, धर्मशाला, छेशादून जैसे छोटे, लेकिन बेहद नजदीक के शहरों के लिए सेवा शुरू करने की है। बंगलुरु व हैदराबाद के लिए भी सेवाएं शुरू की जा रही हैं। दिसंबर तक वहां 200 से ज्यादा उड़ानों की सेवा उपलब्ध होने की संभावना है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहले चरण में ही दो-ढाई दर्जन

शहरों से कनेक्टिविटी स्थापित हो जाएगी। सोमवार को चार गंतव्यों के लिए उड़ानें शुरू की गईं। पहले दिन लखनऊ, अमृतसर, बंगलुरु और हैदराबाद के लिए उड़ानें भरी गईं।

सभी प्रमुख इलाकों से बेहतर कनेक्टिविटी की तैयारी: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के वाइस चेयरमैन क्रिस्टोफर इनेलमैन ने कहा कि भारत के कई अन्य एयरपोर्टों की तरह नोएडा एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या काफी तेजी से बढ़ेगी। यहां दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले तेजी से हवाई जहाज यात्रियों की संख्या बढ़ेगी। अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों में भारत को लेकर रुचि लगातार बढ़ रही है, जिसका सकारात्मक असर नोएडा पर भी दिखाई देगा। कोशिश की जा रही है कि आसपास के सभी प्रमुख इलाकों से इस एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी बेहतर हो। इस संबंध में राज्य और केंद्र सरकार की योजनाएं काफी प्रोत्साहित करने वाली हैं।

नोएडा की उड़ान >> पेज 4

जेवर अब सिर्फ एक कस्बा नहीं, नए भारत की आर्थिक शक्ति का केंद्र बन चुका है। किसानों के विश्वास और त्याग ने वह इतिहास रचा है, जहां अब दुनिया की बड़ी कंपनियों के साथ-साथ 'कुबेर' भी आना चाहते हैं। यह एयरपोर्ट केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की तकदीर बदलने वाला कदम साबित होगा।

- योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उा

जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार को उड़ान भरता पहला कमर्शियल विमान
● आइएएनएस

जिन खेतों से उड़ते देखे थे विमान, वहीं से भरी उड़ान

घूँघट की ओट में महिलाओं ने भरी पहली बार नोएडा एयरपोर्ट से लखनऊ की उड़ान, सुबह होने से पहले ही पहुंचीं एयरपोर्ट

मनोज कुमार शर्मा • जागरण

ग्रेटर नोएडा : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार सुबह कमर्शियल फ्लाइटों का संचालन शुरू होने के साथ ही एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों ने भी उड़ान भरी। इंडिगो की विशेष फ्लाइट से 28 महिलाओं सहित 172 किसान लखनऊ के लिए रवाना हुए। इस दौरान उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। उन्होंने बताया कि कभी इन खेतों में खड़े होकर आसमान में जहाज उड़ते देखे थे, आज इन्हीं खेतों में बने एयरपोर्ट से हवाई जहाज से उड़ान भरेंगे, इससे ज्यादा खुशी और क्या होगी।

लखनऊ में मुख्यमंत्री के साथ उनका संवाद हुआ। अपनी जमीन पर एयरपोर्ट, पहले दिन फ्लाइट का सफर और मुख्यमंत्री से मुलाकात के इंतजार का उत्साह किसानों में देखते ही बन रहा था। महिला और पुरुष किसान दिन निकलने से पहले ही एयरपोर्ट पहुंच गए। कई किसान तो रविवार शाम से ही सोमवार की सुबह होने का इंतजार करते रहे और तड़के चार बजे से ही तैयारी शुरू कर एयरपोर्ट पहुंच गए। एयरपोर्ट की पार्किंग और फोरवर्ड क्षेत्र एयरपोर्ट किसानों और अन्य यात्रियों से गुलजार हो गया। लखनऊ, बेंगलुरु, अमृतसर जाने वाले यात्री उत्साहित दिख रहे थे। नोएडा एयरपोर्ट से बेंगलुरु जाने वाले जेवर के हरीश शर्मा और दीप्ति शर्मा ने बताया कि आज जेवर उस मुकाम पर है, जहां लोग यहां आकर देश के विभिन्न शहरों



बोर्डिंग पास दिखाकर एयरपोर्ट के अंदर प्रवेश करते किसान • जागरण

जोवन में पहली बार और वो भी अपने खेतों में बने भव्य एयरपोर्ट से उड़ान भरने का अवसर मिला है। सुबह जल्दी उठकर तैयारी शुरू की। ऐतिहासिक पल की खुशियों को शब्दों से बयां नहीं किया जा सकता।
-तनिका देवी, रोही



नौ वर्ष पूर्व गांव की जमीन सरकार द्वारा एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहण करने की बातें सुनी तो अजीब सा लगा। गांव के विस्थापन की बात और भी बुरी लगी, लेकिन आज उसी जमीन पर एयरपोर्ट और आसमान छूते हवाई जहाजों को देखकर खुशी हो रही है।
-पूनम देवी, रोही



कभी मन में विचार भी नहीं आया था कि जीवन में हवाई जहाज का सफर करने का मौका मिलेगा। आज एक सपने के सच होने जैसा महसूस हो रहा है। एयरपोर्ट से हवाई जहाज की यात्रा कर मुख्यमंत्री से मुलाकात की और भी खुशी है।
-राजवती देवी, रोही



के लिए उड़ान भर रहे हैं। ग्रेटर नोएडा से तीन मित्र सौरव बंसल, नवीन जिंदल और अमित सिंघल परिवार सहित बेंगलुरु जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे।
मुख्यमंत्री ने किसानों को भेंट की भगवान श्रीराम की मूर्ति: लखनऊ जाने वाले किसान जयवीर सिंह, चरण सिंह, देवेन्द्र भारद्वाज, विपिन

शर्मा, हरिश ने बताया कि उनके खेतों में कभी फसलें लहलहाती थीं आज वही खेत जेवर के विकास की कहानी सुना रहे हैं। ज्यादातर महिलाएं पहली बार हवाई यात्रा करने जा रही थीं। किसानों ने बताया कि यात्रा शानदार रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी किसानों को दो पटक, भगवान श्रीराम की

मूर्ति, दो उपहार भेंट कर जमीन देने के लिए आभार जताया। रोही निवासी मीनू ने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद फ्लाइट में सवार महिला कुसुम देवी ने लोकगीत 'अरे तू लै ले राम को नाम बुढ़ापा बैरी आवेगो', गाना शुरू किया। ये गीत नई शुरुआत के मौके पर स्थानीय लोग गाते हैं।

28 महिलाएं भी विशेष उड़ान से लखनऊ के लिए हुई थीं रवाना, सभी में दिखा उत्साह

3000 किसान परिवारों का विस्थापन हुआ है पहले चरण में



नोएडा एयरपोर्ट से लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने के लिए जाने वाली किसान परिवार की महिलाएं • मनोज कुमार

हवाई चप्पल पहनने वाली गांव की महिला सफाई कर्मी ने की हवाई यात्रा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ वर्ष पूर्व हिमाचल प्रदेश के शिमला में संघ से प्लान करते हुए कहा था कि देश का हवाई चप्पल पहने वाला व्यक्ति भी अब हवाई जहाज की यात्रा कर सकेगा। सोमवार को नोएडा एयरपोर्ट पर इसका उद्घाटन देखते को मिला। रोही निवासी, पूर्व ग्राम प्रधान पति भगवान सिंह ने बताया कि कलावती देवी गांव में घर-घर जाकर सफाई कर्मी का काम करती हैं। एयरपोर्ट के लिए उनके मकान का विस्थापन हुआ और आज हवाई चप्पलों में उन्होंने लखनऊ के लिए उड़ान भर सरकार के कथन को सच साबित किया है। एयरपोर्ट पर पहुंचे किसानों का उड़ान को लेकर उत्साह देखते ही बना।



एयरपोर्ट पर हवाई चप्पल पहनकर लखनऊ के लिए विशेष फ्लाइट से यात्रा करने पहुंची कलावती देवी • जागरण

पहला दिन, पहली फ्लाइट, उत्साह सातवें आसमान पर

- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को लेकर यात्रियों में उत्साह दिखा
- खुशियों को फोटो के साथ यादगार बनाया



मुंबई से लखनऊ और वहां से नोएडा से अमृतसर जा रहे शाकिर, पत्नी जुबैदा व पायलट की ड्रेस में शफा ● जघहरण

जारा, ग्रेटर नोएडा: पश्चिमी उत्तर प्रदेश को मिले पहले इंटरनेशनल एयरपोर्ट का यात्रियों में सोमवार को उत्साह दिखाई दिया। एयरपोर्ट पर सोमवार से शुरू हुई कमर्शियल सेवा के यात्रियों में अपना नाम दर्ज कराने के लिए लोगों ने टिकट बुकिंग होते ही प्लानिंग की थी। कोई लखनऊ तो कोई हैदराबाद से नोएडा एयरपोर्ट पर यात्रा को यादगार बनाने के लिए पहुंचा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश हो नहीं, दिल्ली व हरियाणा के लोग भी नोएडा एयरपोर्ट पर कई शहरों से आई फ्लाइट से उतरे या वहां से रोंतवा को गए।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्री विमान सेवा शुरू होने का लोगों को बेसब्री से इंतजार था, लेकिन जैसे ही नोएडा एयरपोर्ट के लिए इंडिगो ने फ्लाइट शेड्यूल व टिकट की बुकिंग शुरू की, लोगों ने लखनऊ से नोएडा तक पांच हजार रुपये की टिकट बुकिंग करवाई थी। नोएडा एयरपोर्ट पर लखनऊ से पहली फ्लाइट के उतरते ही यात्रियों का उत्साह खुशी में बदल गया। यात्रियों ने खुशियों को सेल्फी, फोटो के साथ यादगार बनाया। फरीदाबाद

गजब उत्साह, मुंबई से लखनऊ वहां से नोएडा फिर अमृतसर की कनेक्टिंग फ्लाइट की बुक

नोएडा एयरपोर्ट की शुरुआत का गवाह बनने मुंबई से एक नव्वी कैप्टन भी पहुंची। मुंबई से आए शाकिर और उनकी पत्नी जुबैदा बेटी शफा को कैप्टन की ड्रेस में लेकर पहुंचे। बच्चों को कैप्टन की ड्रेस में देखकर एयरपोर्ट पर मौजूद स्टाफ और यात्री बच्ची से मिलने और सेल्फी लेने के लिए उत्साहित दिखे। शाकिर ने बताया कि वह अमृतसर घूमने का प्लान बना रहे थे। पता चला कि नोएडा में एयरपोर्ट से फ्लाइट की शुरुआत हो रही है। मुंबई से लखनऊ वहां से नोएडा व नोएडा से अमृतसर की कनेक्टिंग फ्लाइट बुक की। इस बहाने नोएडा एयरपोर्ट घूमना भी हो गया।

के दीपक, पत्नी के साथ इंडिगो की पहली फ्लाइट से नोएडा एयरपोर्ट पर पहुंचे और बेबेहद खुश दिखे।



एयरपोर्ट से संबंधित खबरें पढ़ने को यूआर कोड को स्कैन करें।



Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

DELHI

16 JUNE 2026

कनेक्टिविटी के दावे फेल, कैब व बसों के लिए परेशान रहे यात्री

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले दिन से परिवहन कनेक्टिविटी के लिए बड़े दावे हकीकत से मेल खाते नहीं दिखे। शहर में 12 जून से संचालित इलेक्ट्रिक बसों के अतिरिक्त कैब व विभिन्न राज्य परिवहन निगम की बसें नहीं दिखाई दीं। यात्रियों को एयरपोर्ट पर उतरने के बाद कैब बुक करनी पड़ी। इससे उन्हें काफी देर तक टर्मिनल बिल्डिंग के बाहर इंतजार करना पड़ा। आसपास के लोगों ने अपने स्वजन को फोन कर घर जाने का इंतजाम किया। इस असुविधा से

लखनऊ से पहली फ्लाइट से पहुंचे गर्वित शर्मा ने कहा कि अगर कोई कारोबार के काम से एयरपोर्ट आता है तो उसे हवाई यात्रा से अधिक समय गंतव्य तक पहुंचने में लगेगा। इस दिशा में काम करने की जरूरत है।



लोग परेशान दिखे। नोएडा एयरपोर्ट पर यात्री विमान सेवा शुरू होने पर लोगों को आवाजाही में कोई दिक्कत न हो, इसके लिए यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. (यापल) ने

दिल्ली के जोरबाग के राघवन को भी एयरपोर्ट पर कैब के लिए काफी इंतजार करना पड़ा। इससे वह भी परेशान नजर आए। उन्होंने कहा कि कैब के लिए इतना इंतजार करना होगा, उम्मीद नहीं थी।



उत्तराखंड, डीटीसी, उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम, हरियाणा परिवहन निगम आदि के साथ बस सेवा के लिए अनुबंध किए थे। 15 जून से बस सेवा शुरू होने के दावे

सुबह 60 बसें समय पर निकलें थीं। एयरपोर्ट पर जहां तक अनुमति थी, वहां हमारी बसें पहुंची। यात्रियों ने भी सफर किया है। शाम को 40 बसें और निकलें। रूटों पर बसों की नियमित निगरानी की जाएगी। लोगों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। -मनोज कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक, परिवहन निगम

व रूट चार्ट भी जारी हुआ था, लेकिन यात्री जब एयरपोर्ट पर उतरे तो राज्य परिवहन निगम की बसें उन्हें नजर नहीं आईं। कैब बूथ पर संपर्क करने पर भी निराशा हाथ

लगी। लोगों ने एप से कैब बुक करना ही बेहतर समझा, कैब के लिए भी उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। **सोमवार को 100 बस चलाने का था दावा:** सोमवार को शहर में 100 बसें चलाने का दावा परिवहन निगम ने किया, लेकिन मुख्य रूटों पर ही बसें नहीं दिखाईं। मोरना डिपो में ही करीब 10 इलेक्ट्रिक बसें खड़ी थीं। सेक्टर-90 स्थित डिपो पर लगे पांच में से दो इलेक्ट्रिक चार्जर खराब हैं। मोरना डिपो पर लगे पांच चार्जर से इलेक्ट्रिक बसों का चार्ज किया जा रहा था।

कैप्टन ने कविता पढ़ किसानों को दिया धन्यवाद

जासं, ग्रेटर नोएडा: नोएडा एयरपोर्ट से किसानों को लखनऊ ले जा रहे विशेष विमान के फ्लाइट के कैप्टन ने किसानों के सम्मान में कविता पढ़कर उन्हें धन्यवाद दिया। इसका वीडियो यमुना प्राधिकरण के एसीईओ शैलेंद्र भाटिया ने इंटरनेट मीडिया पर साझा किया है।

पायलट ने कविता में कहा कि मिट्टी को सोना बनाकर वह सारे जग को अन्न खिलाता है, न करता है कोई दिखावा न करता है लालच मन में, बस मेहनत से बीज बोकर खुशियां भर देता है जीवन में, जब जब तुम हल चलाते हो वह धरती मां मुस्कती है, तुम्हारी इन कठोर



कविता सुनकर वधई देते पायलट ●

हथेलियों से दुनिया की हर भूख मिट जाती है। हे अन्नदाता हे किसान भाई तुम्हारे चरणों में शीश झुकाते हैं, तुम्हारी इस महान सेवा के लिए हम दिल से धन्यवाद चढ़ाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय उड़्डयन मानचित्र पर एयरपोर्ट की पहचान डीएक्सएन

जासं, ग्रेटर नोएडा : उत्तर प्रदेश और भारत में जिसे करोड़ों लोग नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नाम से जानते हैं, लेकिन दुनिया के उड़्डयन मानचित्र पर से एयरपोर्ट को डीएक्सएन के नाम से पहचान है। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने सितंबर 2023 में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को डीएक्सएन को डजारी किया था। टिकट बुकिंग से लेकर एयरलाइंस वेबसाइट आदि में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पहचान डीएक्सएन है। डीएक्सएन में कोड में दिल्ली और नोएडा की नजदीकी परिलक्षित होती है। दोनों ही एयरपोर्ट एनसीआर में हैं।



Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

DELHI

16 JUNE 2026

पश्चिमी यूपी के 31 प्रतिशत यात्री बदल सकते हैं रूट, आइजीआइ की भीड़ हो सकती है कम

जगरण संवाददाता, नई दिल्ली : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) से कमर्शियल उड़ानों की शुरुआत के साथ ही दिल्ली समेत एनसीआर में 'द्विजन एयरपोर्ट सिस्टम' लागू हो चुका है। कुछ समय पहले विमानन सलाहकार फर्मों द्वारा किए गए सर्वे रिपोर्टों पर गौर करें तो आइजीआइ व जेवर के बीच यात्रियों का बंटवारा पूरी तरह उनके भौगोलिक कैचमेंट एरिया पर निर्भर करेगा।

सर्वे के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर और आसपास के राज्यों का पैसेंजर ट्रैफिक भौगोलिक स्थिति के आधार पर तीन हिस्सों में बंटने जा रहा है। सर्वे के नतीजों के अनुसार, करीब 58 प्रतिशत यात्री दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, हरियाणा और पंजाब से अपनी

आइजीआइ पर असर

वर्तमान में आइजीआइ एयरपोर्ट लगभग 10.9 करोड़ यात्रियों की सालाना क्षमता के साथ अपने चरम स्तर पर काम कर रहा है। जेवर एयरपोर्ट के पहले साल में करीब 50 से 60 लाख यात्रियों को संभालने का अनुमान है, जिससे आइजीआइ पर भीड़ और उड़ानों में होने वाली देरी कम होगी। दिल्ली में सुबह और शाम के पीक समय में नई एयरलाइंस के लिए रनवे स्लॉट की मारामारी भी कम होगी।

भौगोलिक निकटता और स्थापित इंटरनेशनल नेटवर्क के कारण अभी भी आइजीआइ एयरपोर्ट को ही

चुनेंगे, लेकिन नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख जिले (जैसे आगरा, मथुरा, मेरठ, अलीगढ़) के 31 प्रतिशत यात्री सीधे जेवर एयरपोर्ट के पाले में आ जाएंगे। 11 प्रतिशत यात्री न्यूट्रल जोन में हैं। यह वह आबादी है, जो किराए, स्लॉट टाइमिंग और बेहतर शेड कनेक्टिविटी के आधार पर दोनों में से किसी भी एयरपोर्ट का विकल्प चुन सकती है।

दिल्ली में टूकों का लोड कम होगा:

सर्वे बताते हैं कि पश्चिमी यूपी की औद्योगिक बेल्ट का माल अब दिल्ली आने के बजाय सीधे जेवर के नए कर्गो हब से एक्सपोर्ट होगा, जिससे दिल्ली में टूकों का लोड कम होगा।

लंदन के हीथ्रो-गैटविक की तरह होगी नोएडा-आइजीआई एयरपोर्ट की जुगलबंदी

मोहन कुमार विश्वा • जगरण

नई दिल्ली: दिल्ली-एनसीआर का एविएशन क्षेत्र अब दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक केंद्र, लंदन और न्यूयार्क की राह पर चल पड़ा है। एविएशन एक्सपर्ट मार्क मार्टिन, एविएशन एक्सपर्ट कहना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से ईंदिरा गांधी अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आइजीआई) को कोई आर्थिक नुकसान नहीं होगा, बल्कि ये दोनों मिलकर ठीक वैसे ही काम करेंगे जैसे लंदन में हीथ्रो-गैटविक एयरपोर्ट और न्यूयार्क में जेएफके-ला गुआर्डिया एयरपोर्ट। जब किसी बड़े महानगर की आबादी और



यात्रियों का बंटवारा

लंदन में 'हीथ्रो' मुख्य रूप से प्रीमियम और लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को संभालता है, जबकि 'गैटविक' डोमेस्टिक और बजट एयरलाइंस के लिए जाना जाता है। आने वाले समय में आइजीआई वैश्विक उड़ानों का गढ़ रहेगा, जबकि नोएडा एयरपोर्ट नए रूट, घरेलू उड़ानों और कार्गो का बढ़ा हब बनेगा।

अर्थव्यवस्था बढ़ती है, तो एक एयरपोर्ट नाकफरी हो जाता है। नोएडा इंटरनेशनल और आइजीआई एयरपोर्ट की जुगलबंदी दिल्ली-एनसीआर को दुनिया की अगली बड़ी एविएशन कैपिटल बनाने के लिए तैयार है।

ये दिखेंगे बदलाव

समय और कंजेशन से मिलेगी राहत

जैसे न्यूयार्क के आसमान में एयर ट्रैफिक को अलग-अलग एयरपोर्ट के जरिये नियंत्रित किया जाता है, वैसे ही दिल्ली के आसमान में भी विमानों को लैंडिंग के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

दूरी का है ये गणित: नोएडा इंटरनेशनल व आइजीआई एयरपोर्ट के बीच सड़क मार्ग से दूरी 75 किलोमीटर है। वहीं, हीथ्रो और गैटविक (लंदन) के बीच की दूरी करीब 70 किलोमीटर है। वहीं जेएफके व ला गुआर्डिया (न्यूयार्क)

प्रतिस्पर्धा से घटेगा किराया

दो बड़े एयरपोर्ट होने से एयरलाइंस कंपनियों को ज्यादा स्लाट (विमान उड़ाने और पार्क करने का समय) मिलेगा। इससे कंपनियों की संचालन लागत घटेगी, जिसका सीधा फायदा यात्रियों को मिलेगा। यात्रियों को महंगे टिकटों की बजाय सस्ती टिकटें मिलेंगी। इससे एयरलाइन कंपनियों में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी।

शहर के भीतर आसपास हैं, लेकिन न्यूयार्क का तीसरा बड़ा एयरपोर्ट नेवर्क मुख्य शहर से करीब 60 किलोमीटर दूर न्यूजर्सी में है, जब लंदन और न्यूयार्क में इतनी दूरी पर एयरपोर्ट कर्मचारियों के साथ करोड़ों यात्रियों को संभाल रहे हैं, तो

- हीथ्रो-गैटविक और न्यूयार्क के जेएफके-ला गुआर्डिया एयरपोर्ट की तरह मिलकर एनसीआर के दोनों एयरपोर्ट करेंगे काम
- विशेषज्ञों के अनुसार, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आइजीआई एयरपोर्ट को कोई आर्थिक नुकसान नहीं होगा

दिल्ली-एनसीआर में भी यह जुगलबंदी सुपरहित होगी।

10 से 15 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रहा है भारत का एविएशन बाजार: भारत का एविएशन बाजार हर साल 10 से 15 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रहा है। ऐसे में नोएडा एयरपोर्ट दिल्ली के यात्री नहीं छीनेगा, बल्कि इस तेजी से बढ़ते अतिरिक्त ट्रैफिक के दबाव को बांटेगा।

Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN

DELHI

16 JUNE 2026

उत्सवी माहौल

घूँघट की ओट में महिलाओं ने भरी नोएडा एयरपोर्ट से लखनऊ की उड़ान, दिन निकलने का करते रहे इंतजार, सुबह होने से पहले पहुंच गए एयरपोर्ट

जिन खेतों से आसमान में उड़ते देखे थे जहाज, आज वहीं से भरी उड़ान

मनोज कुमार शर्मा • जागरण

नोएडा : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार सुबह कमर्शियल फ्लाइटों का संचालन शुरू होने के साथ ही एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों ने भी उड़ान भरी। इंडिगो की विशेष फ्लाइट से 28 महिलाओं सहित 172 किसान लखनऊ के लिए रवाना हुए। इस दौरान उनका उत्साह देखते बन रहा था। उनका कहना था कि कभी इन खेतों में खड़े होकर आसमान में विमान उड़ते देखे थे, आज इन्हीं खेतों में बने एयरपोर्ट से हवाई जहाज में उड़ान भरेंगे, इससे ज्यादा खुशी और क्या होगी।

लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उनका संवाद हुआ। अपनी जमीन पर एयरपोर्ट, पहले दिन फ्लाइट का सफर और मुख्यमंत्री से मुलाकात के इंतजार का उत्साह किसानों में देखते ही बन रहा था। महिला और पुरुष किसान दिन निकलने से पहले ही एयरपोर्ट पहुंच गए। कई किसान



नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार को शुरू हुई कमर्शियल विमान सेवा के अवसर पर उड़ान भरने वाले किसानों से बातचीत करते हुए। प्रेस

तो रविवार शाम से ही सोमवार की सुबह होने का इंतजार करते रहे और तड़के चार बजे से ही तैयारी शुरू कर एयरपोर्ट पहुंच गए। सुबह होते ही एयरपोर्ट की पार्किंग और

फोरकोर्ट क्षेत्र एयरपोर्ट में जमीन देने वाले किसानों और अन्य यात्रियों से गुलजार हो गया। नोएडा एयरपोर्ट से बेंगलुरु जाने वाले जेवर के हरीश शर्मा और दीप्ति शर्मा ने

मुख्यमंत्री ने किसानों को भेंट की भगवान श्रीराम की मूर्ति

विशेष उड़ान से लखनऊ जाने वाले किसान जयवीर सिंह, चरण सिंह, देवेंद्र भारद्वाज, विपिन शर्मा, हरीश शर्मा ने बताया कि उनके खेतों में कभी हरियाली और फसलें लहलहाती थीं आज वहीं खेत जेवर के विकास की कहानी सुना रहे हैं। ज्यादातर महिलाएं जीवन में पहली बार हवाई यात्रा करने जा रही थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों का दिल खोलकर स्वागत किया। सभी किसानों को दो पटक, भगवान श्रीराम की मूर्ति, दो उपहार भेंट कर जमीन देने के लिए अभार जताया। रोही निवासी मीनू ने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद फ्लाइट में सवार महिलाओं ने लोकगीत गाना शुरू कर दिया।

बताया कि आज जेवर उस मुकाम पर है जहां लोग दिल्ली सहित एनसीआर के अन्य क्षेत्रों से आकर देश के विभिन्न शहरों के लिए उड़ान भर रहे हैं।



Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN

DELHI

16 JUNE 2026

दिसंबर तक नोएडा से उपलब्ध होंगी 200 से ज्यादा उड़ानें

प्रथम पृष्ठ से आगे

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली उड़ान संचालित करने वाली देश की सबसे बड़ी एविएशन कंपनी इंडिगो ने कहा कि वह जल्द ही देश के 16 से अधिक गंतव्यों को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीधे जोड़ेगी।

उसने कहा है कि उसकी प्राथमिकता नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अमृतसर, बरेली, भोपाल, धर्मशाला, देहरादून जैसे छोटे, लेकिन बेहद नजदीक के शहरों के लिए सेवा शुरू करने की है।

बेंगलुरु व हैदराबाद के लिए भी उड़ानें शुरू की जा रही हैं। दिसंबर तक यहां 200 से ज्यादा उड़ानों की सेवा उपलब्ध होने की संभावना है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहले चरण में ही दो-ढाई

दर्जन शहरों से कनेक्टिविटी स्थापित हो जाएगी। भविष्य में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शुरू की जाएंगी। सोमवार को चार गंतव्यों के लिए उड़ानें शुरू की गईं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के वाइस चेयरमैन क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि देश के कई अन्य एयरपोर्ट की तरह नोएडा एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या काफी तेजी से बढ़ेगी।

अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों में भारत को लेकर रुचि लगातार बढ़ रही है जिसका सकारात्मक असर नोएडा पर भी दिखाई देगा। कोशिश की जा रही है कि आस-पास के सभी प्रमुख इलाकों से एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी बेहतर हो। इस संबंध में राज्य और केंद्र सरकार की योजनाएं काफी प्रोत्साहित करने वाली हैं। आने वाले दिनों में इसका सकारात्मक असर देखने को मिलेगा।



Corporate Communications Directorate

DAINIK NAVJYOTI

JAIPUR

14 JUNE 2026

नोएडा एयरपोर्ट पर कल पहले दिन होगी आठ उड़ानों की आवाजाही

एजेंसी/ ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के जेवर में बने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानें सोमवार 15 जून को शुरू हो रही हैं तथा पहले दिन चार आगमन और चार प्रस्थान मिलाकर कुल आठ उड़ानों की आवाजाही होगी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, हवाई अड्डे पर पहली उड़ान लखनऊ से आवेगी जो यहाँ सुबह 8.05 बजे लैंड करेगी। जाने वाली पहली उड़ान बेंगलुरु के लिए सुबह 8.35 बजे रवाना होगी। ये विशेष उड़ानें होंगी। इनके अलावा बेंगलुरु से नोएडा और नोएडा से लखनऊ के लिए भी पहले दिन विशेष उड़ानों का परिचालन किया जाएगा। पहले दिन ही हैदराबाद और अमृतसर के लिए नियमित उड़ानों का परिचालन भी शुरू

होगा। हैदराबाद से आने वाली उड़ान यहाँ सुबह 8.35 बजे लैंड करेगी और वापसी की उड़ान अपराह्न 2.50 बजे रवाना होगी। अमृतसर के लिए दैनिक उड़ान सुबह 10.10 बजे रवाना होगी और वहाँ से पहली उड़ान दोपहर बाद 1.20 बजे नोएडा पहुंचेगी। पहले दिन सभी उड़ानें इंडिगो की होंगी। इंडिगो अगले दिन 16 जून से नोएडा से बेंगलुरु और जम्मू के लिए नियमित उड़ानें शुरू करेगी। ये सभी दैनिक उड़ानें होंगी। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर भी 16 जून को नोएडा से बेंगलुरु और नवी मुंबई के लिए दैनिक उड़ानें शुरू करने वाली है। नवी मुंबई की उड़ान सुबह 10.15 बजे और बेंगलुरु की शाम 7.55 बजे रवाना होगी।

AIR TRAFFIC BURDEN SET TO EASE IN DELHI-NCR

Noida Airport begins commercial ops

NITIN KUMAR
New Delhi, June 15

NOIDA INTERNATIONAL AIRPORT (NIA) on Monday commenced commercial flight operations, marking a major milestone for aviation infrastructure in northern India and giving the National Capital Region (NCR) a third major passenger airport alongside Delhi and Ghaziabad.

An IndiGo flight from Lucknow's Chaudhary Charan Singh International Airport became the first commercial aircraft to land at the airport. Flight 6E-2278 touched down in the morning and received a traditional water cannon salute, formally inaugurating passenger services at the long-awaited facility in Jewar.

Prime Minister Narendra Modi had inaugurated the airport on March 28. Located in Jewar, the facility has been developed to ease passenger traffic at Delhi's Indira Gandhi International (IGI) Airport while emerging as a major aviation and cargo hub for northern India.

The airport, developed by an arm of Zurich Airport International, became operational after nearly two years of delays. Its launch comes at a challenging time for the aviation sector, which is facing disruptions linked to the ongoing West Asia crisis, rising aviation turbine fuel prices, and network rationalisation by airlines.

Despite these headwinds, airport management expressed confidence in the long-term growth prospects of India's aviation market. According to the operator, NIA will handle 12 daily domestic flights during June, with the number expected to rise to more than 40 in July. IndiGo has started operations with eight daily flights, while Akasa Air is scheduled to begin services on June 16. Air India Group, currently grappling with operational pressures arising



A child dressed as a pilot at the arrivals area of Noida International Airport, in Jewar, Uttar Pradesh, on Monday

PTI

AI-171 crash probe in final stages, says AAIB

CIVIL AVIATION MINISTER Ram Mohan Naidu said on Monday that the investigation into the Air India AI-171 crash had entered its final phase and that the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) is expected to submit its final report soon while adhering to international investigation protocols.

Speaking about the progress of the probe, Naidu said, "We are all waiting... AAIB doesn't want to unnecessarily

speed up any process. They want to follow the protocol very strictly. This is an international protocol, so they can't miss any step."

He added, "They have to focus on the investigation very thoroughly... So they are taking the due time. But because it is in the last leg, that is why they issued the statement. They might complete the investigation and present us with the final report very soon."

—FE BUREAU

from the West Asia situation and other factors, is not operating from the airport for now.

The airport operator expects international services to commence by the end of the year, initially focusing on short-haul destinations in West Asia and Southeast Asia.

Industry observers expect airlines to initially use the airport to add capacity on busy NCR routes connecting major metro-

politan cities, especially during peak hours when Delhi's IGI Airport faces congestion. The facility is also expected to support regional connectivity through ultra-short-haul flights and help strengthen links between NCR and tier-II and tier-III cities.

Union Civil Aviation Minister Ram Mohan Naidu said the airport's development should spur wider economic growth in the region.

HINDUSTAN

DELHI

16 JUNE 2026



नोएडा हवाई अड्डे से सोमवार को पहली वाणिज्यिक उड़ान भरता विमान। • हिन्दुस्तान

ऐतिहासिक : नोएडा हवाईअड्डे से विमान ने भरी पहली उड़ान

ग्रेटर नोएडा, प्रमुख संवाददाता।
नोएडा हवाईअड्डे से सोमवार को
वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन शुरू
हो गया। इसी के साथ जेवर ने देश के
विमानन मानचित्र पर पहचान दर्ज
कराते हुए इतिहास रच दिया।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम
मोहन नायडू और जिले के प्रभारी मंत्री
वृजेश सिंह ने बेंगलुरु के लिए पहली
उड़ान को तिरंगा लहराकर रवाना
किया। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह
इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इंडिगो की 6ई-
2278 फ्लाइट सुबह 7.55 बजे नोएडा
एयरपोर्ट पर उतरी। विमान के रनवे पर
पहुंचते ही उसे पारंपरिक वाटर कैनन
सैल्यूट दिया गया। विमान में बैठे यात्रियों
ने तालियां बजाकर जश्न मनाया।

इसके बाद 8.35 बजे एयरपोर्ट से
बेंगलुरु के लिए पहले विमान ने उड़ान
भरी। इसके अलावा एयरपोर्ट के लिए
जमीन देने वाले 172 किसानों, जेवर
विधायक धीरेन्द्र सिंह और प्रशासनिक
अधिकारियों समेत कुल 186 लोगों को
लेकर विशेष विमान सुबह साढ़े आठ
बजे लखनऊ रवाना हुआ। इन किसानों
के साथ लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी
आदित्यनाथ से संवाद किया।

नोएडा एयरपोर्ट से पहले दिन इंडिगो
एयरलाइंस के विमानों ने लखनऊ,
बेंगलुरु, हैदराबाद और अमृतसर के
लिए उड़ान भरी। मंगलवार से अकासा
एयर भी नवी मुंबई और बेंगलुरु के लिए

798 यात्रियों ने भरी
विमान से पहले
दिन उड़ान

अब 'कुबेर' भी आना
चाहते हैं जेवर : योगी

लखनऊ, वि.सं। यूपी के मुख्यमंत्री
योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज
यहीं से पहली
कंपनियां जेवर
आना चाहती हैं।
यहां अब 'कुबेर'
भी आना चाहते हैं।
जेवर एयरपोर्ट



भारत का पहला कागों, एमआरओ
केंद्र बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने ये
बातें सोमवार को नोएडा इंटरनेशनल
एयरपोर्ट जेवर के निर्माण के लिए
भूमि देने वाले किसानों के सम्मान
समारोह में कहीं। नोएडा एयरपोर्ट से
लखनऊ पहुंचे इन किसानों का सीएम
आवास पर सम्मान किया गया।

सेवा शुरू करेगी। सोमवार को कुल
798 यात्रियों ने एयरपोर्ट से सफर
किया। बेंगलुरु की पहली उड़ान में
161, अमृतसर के लिए 110 और
हैदराबाद के लिए 159 यात्रियों ने उड़ान
भरी। लखनऊ से 182 यात्रियों के साथ
पहले विमान ने लौटिंग की। वहीं, विशेष
विमान से 186 लोग लखनऊ गए।

➤ संबंधित खबर P07

मुख्यमंत्री ने नोएडा एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले 172 किसानों का स्वागत किया हर कोई जेवर जाना चाह रहा: योगी

सम्मान

नोएडा/ लखनऊ, विशेष संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले 172 किसान सोमवार को इंडिगो के विमान से लखनऊ पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आवास पर उनका भव्य स्वागत किया और सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जेवर दिल्ली को भी पीछे छोड़ने की क्षमता रखता है। दुनिया का हर बड़ा व्यक्ति आज वहां जाना चाहता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को स्मृति चिह्न प्रदान किया और उनके प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने व्यावसायिक उड़ानें शुरू करने के लिए इंडिगो को भी धन्यवाद दिया।
घर पर ही मिलेगी नौकरी: मुख्यमंत्री ने कहा कि नौजवानों को इंजीनियर के रूप में ट्रेड करना है, जिससे घर में ही नौकरी मिल सके। जेवर में जितना निवेश आएगा, उसके लिए ट्रेड मैनेपावर की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब किसानों ने पहली रजिस्ट्री की तो वे विधायक धीरेंद्र सिंह के साथ मेरे पास आए थे। मैंने किसानों से कहा था कि आप रजिस्ट्री कराइए, पैसा वह मिलेगा जो आपने सोचा भी नहीं होगा। हम सौदेबाजी नहीं कर रहे हैं। आपका हक देंगे।



नोएडा एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों का सोमवार को लखनऊ में स्वागत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। • हिन्दुस्तान

पहले दिन सफर का अनुभव करना था

नोएडा सेक्टर-62 निवासी विकास अग्रवाल अपनी पत्नी सपना और बेटी



पावरी के साथ सुकह सात बजे नोएडा एयरपोर्ट पहुंचे। विकास ने बताया कि उन्हें नोएडा एयरपोर्ट से पहले दिन सफर का अनुभव करना था। पहले दिन उड़ान की खुशी उनके चेहरे पर थी।

पति के साथ घर से आधे घंटे में पहुंची एयरपोर्ट

खुर्जा निवासी दीप सागर अपनी पत्नी अंजलि के साथ नोएडा एयरपोर्ट पहुंचे।



उन्होंने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट जाने में उन्हें करीब तीन घंटे का समय लग जाता था। सोमवार को नोएडा एयरपोर्ट वह घर से आधे घंटे में पहुंच गए। उन्होंने अमृतसर के लिए उड़ान भरी।

नहीं सोचा था कि हवाई जहाज में सफर करूंगी

किसान मंजू ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि हवाई जहाज में सफर



करूंगी, लेकिन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने यह सौभाग्य दिया। अपने रुपये से कभी सफर नहीं कर पाती, लेकिन सरकार ने क्षेत्र के विकास के साथ लोगों की भावना का भी सम्मान किया।



Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN

DELHI

16 JUNE 2026

गुल पनाग समेत 180 यात्री पहली उड़ान से आए

ग्रेटर नोएडा, प्रमुख संवाददाता।
नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर
सोमवार सुबह लखनऊ से पहला
विमान उतरा। अभिनेत्री गुल पनाग
समेत 180 यात्री इस फ्लाइंग के साक्षी बने।
उन्होंने करीब 40 मिनट में लखनऊ से
जेवर तक का सफर तय किया। इनमें
उद्यमी समेत अन्य लोग भी शामिल रहे।

यात्रियों में मनोज कुमार जैन,
अहमद, बीबीए के छात्र आरुष, स्वामी
सतीश आचार्य महाराज समेत 75
कारोबारी शामिल रहे। इसके अलावा
अभिनेत्री गुल पनाग भी एयरपोर्ट
पहुंचीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर
अपना अहसास साझा किया।



लखनऊ से पहली फ्लाइट में सोमवार को
नोएडा एयरपोर्ट आई अभिनेत्री गुल पनाग
और अन्य यात्री। • हिन्दुस्तान



Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN

DELHI

16 JUNE 2026

गुवाहाटी हवाई अड्डा सबसे खूबसूरत

गुवाहाटी। भवन डिजाइन और आर्किटेक्चर के लिए प्रख्यात 'प्रिक्स वर्साय' अवार्ड के लिए असम के गुवाहाटी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को चुना गया है। हवाई अड्डे को दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट में शामिल किया गया है। वहीं, मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी टॉप-7 सूची में रखा गया है।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने सोमवार को एक एक बयान में यह जानकारी दी। कंपनी इन दोनों हवाई अड्डों का प्रबंधन करती है।

‘Historic’: Ops begin at airport in Jewar

**Anupam Srivastava and
Vinod Rajput**

htreporters@hindustantimes.com

LUCKNOW/ NOIDA: “Growing up, we never thought we would one day fly from the very land where we used to cultivate crops,” Iqbal Khan. He was among the 170 farmers whose land was acquired for the airport project and was onboard one of the first flights from the new Noida International Airport in Jewar, where commercial operations finally kicked off on Monday.

The inaugural IndiGo flight (6E 2278) departed from Chaudhary Charan Singh International Airport, Lucknow, at 7.55am and landed at Jewar at 8.45am. The Airbus A320 flight carried 182 passengers, including actor and entrepreneur Gul Panag.

The return flight at 10.30am carried the farmers to Lucknow, where they met Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath, marking a symbolic recognition of their role in the project.

Welcoming them, the CM reflected on Jewar’s transformation from a largely agrarian region into an emerging aviation, logistics and industrial hub. “Opportunities come only once; those who recognise them become part of history,” he said.

Adityanath said farmers of UP would now be able to connect their fruits, vegetables, grains and other produce to global markets through the cargo airport and cargo facilities being developed at Noida

International Airport.

“This is just the beginning. Jewar has now written its name in history,” said the CM, adding that youth will be trained and prepared for emerging aviation and industrial opportunities.

The airport, spread over 1,300 hectares in Jewar, will handle about 12 million passengers annually in its first phase.

It will be the National Capital Region (NCR)’s second major airport after Delhi’s Indira Gandhi International Airport, which is the country’s busiest airport. Upon completion of all phases, the airport will be capable of handling up to 70 million passengers per year, emerging as a major aviation hub for the region and western UP.

One of the travellers taking their first flight from the airport said it was a “defining moment in the history of Noida and the entire NCR”.

This airport is much more than a transportation hub; it is an economic engine that will fuel investment, employment, tourism, manufacturing, and infrastructure development for decades to come,” said Salil Kumar, director CRC Group, a Noida based real estate group.

Passenger Akash Singh told ANI news agency, “I believe this was essential because Delhi Airport is located near Gurgaon, whereas Noida lacked its own direct connectivity.”

Speaking on the occasion, Union civil aviation minister Ram Mohan Naidu said, “Today is a day of great joy and a historic milestone as the first flight



The inaugural IndiGo flight (6E 2278) from Lucknow landed at Jewar at 8.45am.

ARVIND YADAV/HT

prepares to depart from Noida International Airport.”

“We want to see Noida International Airport grow, not only as a transit hub or a hub for transportation, but as an aerotropolis. When we say aerotropolis, we want to see multiple industries come around this area and create a strong economic base, which is not only going to be catering to the country but also internationally,” Naidu said.

Prime Minister Narendra Modi laid the foundation stone for this airport on November 25, 2021 and inaugurated the project on March 28 this year.

With inputs from agencies.



₹675cr Darbhanga airport expansion gathers pace

Bishnu K Jha

htpatna@hindustantimes.com

DARBHANGA: The Airports Authority of India (AAI) has completed over 66% construction of the new terminal building under Darbhanga airport expansion project worth ₹674.96-crore, officials said Sunday. Once operational, the airport's peak-hour passenger handling capacity will rise more than fivefold, from 550 passengers to 3,000 passengers.

Spread over 52.65 acres, the upcoming terminal will have a built-up area of 62,800 sq m, a substantial increase from the existing 3,361-sq-m facility located on 4.72 acres. The facility is expected to rank among the most modern airports in eastern India and strengthen air connectivity across north Bihar and Mithila region.

According to airport director Dilip Kumar, the project attained 66.5% physical progress, while expenditure of ₹380.75 crore, accounting for 59.19% financial progress, has been incurred so far. Construction began on July 12, 2024, and the new terminal is scheduled for completion by November 30, 2026, he added.

The project features 40 check-in counters, nine security screening counters, five aerobridges, 10 escalators, 12 lifts and four baggage carousels. Besides, Darbhanga airport will have a dedicated cargo terminal spread over 860 sq m, with an annual



A view of Darbhanga airport.

FILE PHOTO

handling capacity of 30,000 metric tonnes and a peak handling capacity of 80 metric tonnes.

It incorporates sustainability features like a 650-kW solar power plant, four EV charging stations, rainwater harvesting systems, an integrated building and energy management system, a 1,150-KLD sewage treatment plant and a solid waste management facility. Parking facilities will accommodate 250 cars and five buses while seven aircraft bays will be available for parking. Among major components nearing completion are the elevated bridge and tunnel works, both of which have reached 98% completion. Civil works for the powerhouse and air-conditioning plant stand at 95%, while construction of the sewage treatment plant has achieved 80% progress. Meanwhile, apron development has reached 59%.

Airport authorities are also observing several programmes

as part of Yatri Suvidha Diwas on June 15, with passenger-centric initiatives including a traditional Mithila welcome for travellers, cultural programmes, tree plantation drives, health camps, recognition of frontline workers and dedicated passenger engagement activities. It has emerged as one of the fastest-growing regional airports in eastern India, providing direct connectivity to major cities such as Delhi, Mumbai, Kolkata, Bengaluru and Hyderabad. Civil aviation operations at the airport, an IAF station, commenced on November 8, 2020. CISF was also deployed here in May.

Currently operating from a space-constrained terminal, the Darbhanga airport has recently introduced several amenities for travellers such as an X-BIS machine, a play area for children, mobile charging stations, laptop workstations, Wi-Fi connectivity and a "Flybrary".

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES

PATNA

15 JUNE 2026

Noida Airport's promises and portents at take-off

Connectivity is the make-or-break factor in this age of multimodal transport. This certainly holds true for Noida International Airport (NIA); the first phase of the airport, a ₹11,000-crore project, was inaugurated by the Prime Minister last month. With commercial operations set to start from June 15, the airport hopes to combine "Indian warmth with Swiss efficiency" — Zurich International Airports had won the tight contest for the airport project in November 2019.

The commencement of operations offers a much-needed distraction from the dire straits the aviation sector finds itself in at the moment, thanks to the war in West Asia: NIA promises to change the face of air travel in the national capital region (NCR).

Till a few years ago, Jewar, where the airport has come up, was a sleepy little hamlet not far from Noida, Uttar Pradesh. But things changed after chief minister Yogi Adityanath and his team of ministers and bureaucrats assumed office in 2017. The state government acquired the land and got it vacated in record time for Zurich Airports to start building.

For passengers, NIA can be a blessing, provided it is made easily accessible and cost-effective. The new airport is 700 metres from the Yamuna Expressway, which has already shrunk travel time in this region. To ensure smooth access, the National Highways Authority of India (NHAI) has built a clover-leaf interchange from the airport to the expressway.

The Delhi Metro is expected to provide connectivity from Noida and Greater Noida to a station that opens right outside NIA's entry — quite like many European airports that can be accessed through their respective metro-rail networks. A more ambitious high-speed rail connection between Delhi and Varanasi with a stop at the NIA passenger terminal has also been discussed, but is still on paper.

NIA has bagged a few access-enabling agreements, including air-conditioned bus services from the airport to four key destinations in Uttarakhand and nine in Haryana, including Gurugram. It is also partnering Mahindra Logistics Mobility to offer a premium, 24x7 all-electric taxi service.

The good news for NCR passengers is that Delhi Airport has pulled up its socks to

retain traffic, investing ₹9,800 crore to expand and upgrade its present facilities. Airlines operate in a hyper-competitive environment themselves, and are excited that the two airports will be competing, ending the "take it or leave it" treatment often meted out by airport operators — apart from its own catchment spanning Noida to Mathura, NIA could also grab some of the central and east Delhi traffic if it offers significant cost and time savings.

The biggest question before NIA is financial viability. Most are of the view that Zurich Airports and NIAL (the joint-venture between the airport and the UP government) will burn cash for at least the initial six to eight years before it starts getting returns.

Experts argue that the airport is likely to be far more expensive to operate from since it is being built so long after Delhi Airport, and construction costs will be in keeping with today's prices. Although the plan is to make sure there is no "gold plating", the pressure from the economies of scale that Delhi Airport has already achieved can't be wished away — it can afford to

offer competitive rates to airlines, if it so chooses. This is where ease and costs of connectivity come into play. Catchment area notwithstanding, NIA is 25-26 kilometres from the heart of Noida. Time and cost of reaching will determine the choice of airport. Access, once you reach the Yamuna Expressway, may be quick, but reaching the expressway means navigating many stretches of clogged Delhi traffic.

The official thinking is that even if NIA is a bit early in terms of traffic requirements of the NCR region and the UP government or the concessionaire lose money for a while, it is better to be early than sorry, as has been the case with Mumbai. In a country of India's diversity and complexity, greenfield airports such as the Navi Mumbai one or even Goa's MOPA have taken almost 20 years to build since they were first conceived. Inordinate delays in getting Navi Mumbai Airport off the ground have already taken a heavy toll on Mumbai's aviation growth. The NCR shouldn't see a repeat. Ambitious India no longer has 20 years to wait.



Anjali Bhargava

Anjali Bhargava writes on governance, infrastructure, and the social sector. The views expressed are personal

Noida airport begins its commercial operations with flight from Lucknow

IndiGo flies 170 farmers from Noida to meet Uttar Pradesh CM Yogi Adityanath in the State capital; airport to initially handle 12 daily flights; number set to increase to 42 flights a day from July

Jagriti Chandra
NEW DELHI

Noida International Airport welcomed its first passengers on Monday as it commenced commercial flight operations, with an inaugural IndiGo flight arriving from Lucknow.

Later in the day, an IndiGo flight from Noida to Lucknow carried 170 farmers from Jewar. The farmers, whose land was acquired to build the airport, met Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath in the State capital.

Developed as the second airport serving the National Capital Region, Noida International Airport will initially handle 12 daily flights. The number is set to increase to 42 flights a day from July. Operations will begin with domestic services, while international flights are expected to commence in the coming months.



U.P. CM Yogi Adityanath with farmers during the commercial flight inauguration from Noida International Airport in Jewar on Monday.
SPECIAL ARRANGEMENT

IndiGo and Akasa Air have announced services from the airport. Destinations to be connected include Bengaluru, Hyderabad, Amritsar, Jammu, Bareilly, Dehradun, Dharamshala, Chandigarh, Jaipur, Lucknow, Pantnagar and Kishangarh.

Access to taxi services

To improve connectivity, passengers will have access to taxi and cab services as well as an extensive network of bus routes.

The Uttar Pradesh State Road Transport Corporation has launched services linking the airport with many cities, including Agra, Firozabad, Hathras, Mathura, Aligarh, Etah, Kasganj, Lucknow, Sarai Kale Khan, Palwal and Faridabad.

The Delhi Transport Corporation has also introduced services from Kashmere Gate and the Anand Vihar Inter-State Bus Terminus. Private operators such as RedBus and Zingbus will connect the

airport with cities including Dehradun, Lucknow and Chandigarh.

A rapid rail-cum-metro link connecting Noida International Airport with Delhi's Indira Gandhi International Airport is also planned, aimed at providing seamless connectivity between the two airports.

In the first phase of development, the airport has one runway and the capacity to handle 12 million passengers annually. Once fully built it will have four runways and will be able to handle 70 million passengers per year.

The Union Cabinet gave its in-principle nod for a second airport for the National Capital Region at Jewar in June 2017, following which Swiss company Zurich Airport International AG was selected as the concessionaire for developing it. The official groundbreaking and foundation-laying ceremony took place on November 25, 2021.



Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS

DELHI

16 JUNE 2026

‘Never thought I’d fly in a plane’: Farmers on board Jewar airport’s maiden flight

Devansh Mittal
Noida, June 15

IT WAS not a usual Monday morning for Babu Lal. He was elated to fly for the first time. “We could have never thought that we would be flying in an airplane, let alone from an airport built on our land,” said the 72-year-old from Kishorpur village in Gautam Budhha Nagar’s Jewar. Around 8:30 am, Noida International Airport’s (NIA) maiden flight took off for Lucknow. Onboard the special IndiGo flight was a delegation — people whose land was acquired for the airport, including farmers such as Babu Lal — headed to meet Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath.

On the commencement of operations, Union Minister for Civil Aviation Ram Mohan

Naidu said, “Today is a day of great joy and a historic milestone as the first flight prepares to depart from Noida International Airport. Under the guidance of Yogi Adityanath, we have made special arrangements for 170 farmers, who contributed their land to this project, to travel on this inaugural flight to Lucknow following a special meeting with them.”

At the 15-acre land in Rohi village acquired in 2019 on which Rajwati (61) used to grow wheat, rice and vegetables, now stands this slick international airport, slated to be the largest airport in Asia, rivalling Dubai and Shanghai, once complete. But she was jubilant, not because of the commencement of the airport operations, but because she was meeting her friends, who were once her

neighbours but they had to relocate due to the land acquisition. “*Koi kahi chala gaya hai, koi kahi aur...* (someone is here, someone is there, everyone is scattered),” she said, talking about the major shift their lives saw after land acquisition. “I still cry sometimes when I think of my land. I still go out of my house... sometimes thinking I will see my cows,” she said.

While some lamented giving up their land for the project, others were enthusiastic of the proposed development that areas around the airport are expected to see.

Happily carrying a certificate, which said Nikshipta Chhonkar’s ‘First Flight’, Sachin Singh (27) arrived at the airport with his parents, wife and daughter for a flight to Amritsar. “I always wanted a memory like

this with my daughter... so we booked a family vacation to Amritsar, which was among the first flights out of Noida,” said Singh, whose land in Thora village was taken for Phase 2 of the airport.

On the certificate, which he wanted to get signed by the pilot, he said, “It will be a memory for her... that her first flight was among the first to fly out of the airport built on our land.”

The airport, which was inaugurated by PM Narendra Modi in March, is the second international airport in the National Capital Region. Initially, flights from Noida International Airport will connect passengers to five destinations across the country: Amritsar, Bengaluru, Hyderabad, Jammu and Navi Mumbai. By the end of this year, international flight operations are expected to begin.

'GAVE FARMERS AN HOUR TO DECIDE': UP CM YOGI ON LAND ACQUISITION HURDLE

1st flight operates with farmers, others who gave land for airport



(From left) At Noida International Airport in Jewar; the farmers on Monday. PRAVEEN KHANNA

Express News Service
Lucknow, June 15

WELCOMING 170 farmers who arrived on the first flight from the Noida International Airport to Lucknow Monday morning, Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath recalled how the government faced a difficult situation during land acquisition. He said he gave farmers one hour to think about it.

"When the Cabinet approved the proposal for the airport in Jewar, I instructed the Noida District Magistrate and other officials that the land acquisition process should begin within 100 days, but it could not. I visited Noida and held a review meeting to know that no progress was made.

Later, I organised a meeting with a group of about 100 farmers at Gautam Buddha University, Greater Noida, and convinced them that land acquisition is a must to build an airport. They refused to give their land to me as well," the CM recalled.

"It was an uncertain situation. The government wanted development in the area, yet people were refusing. I requested them to think for one hour as this airport would

WHAT NEXT



12	40
daily domestic flights in June	increase in flights expected by July
5 million passengers projected within 10-12 months - International flights slated to begin before year ends - Construction for 2nd phase expected to begin before 2030 ends	

change their destiny," Yogi said, addressing the farmers at his residence. He added, "This is a place where even 'Kuber (god of wealth)' wants to come now.

The CM noted that the farmers had placed their trust in him, and the Yamuna Expressway Industrial Development Authority and the Civil Aviation Department fast-tracked the process to acquire more than 13,000 acres of land.

The airport will be developed in four phases, and the first phase has been completed, he informed the farmers.

Future plans

The CM said that the airport is going to become India's first

cargo and MRO (Maintenance, Repair and Overhaul) centre, which will enable UP farmers to send their produce across the world. Until now, aircraft maintenance, repair, and overhaul services required trips to places like Singapore and Dubai. Now people will come to Jewar for these services, he said.

He said mangoes that farmers sell for a maximum of Rs 50 per kg here can be sold for Rs 800-1,000 abroad. Even after adding Rs 200 per kg as cargo cost, farmers can earn Rs 600.

Plans for Jewar

The CM said food processing units, semi-conductor units, data centres, a film city, toy park,

apparel park, medical device park, and world-class IT and electronics cities will be established in the Jewar region. Five prestigious universities from among the world's top-ranked institutions are planning to establish campuses there.

Adityanath told the farmers that by making the right decision at the right time, they helped create India's largest airport. The CM said that young people must be trained as engineers so they can find employment close to home.

"Investment coming to Jewar will require skilled manpower. The Yamuna Authority has initiated the establishment of a Centre of Excellence in collaboration with Tata at a cost of Rs 225 crore. Young people will receive training in modern technologies, certificates, diploma courses, degree courses, and skill development opportunities. Local youth will also get opportunities to participate in local development. Incoming investments will become a basis for employment," he said.

Additional Chief Secretary (Civil Aviation) Deepak Kumar, IndiGo Special Director R K Singh and Chief Minister's Advisor Avani Awasthi were also present at the event.



Corporate Communications Directorate

JANSATTA

DELHI

16 JUNE 2026

उड़ान शुरू होते ही हवाई अड्डे की सुरक्षा व्यवस्था की गई चाक-चौबंद

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 15 जून।

उड़ान सेवा शुरू होने के साथ ही जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। सोमवार को प्रवेश द्वार से विभिन्न जगहों पर पुलिस और सीआइएसएफ के जवानों का पहरा रहा। वहीं, हवाई अड्डे का 'डोमेस्टिक टर्मिनल' थाना भी क्रियाशील हो गया है। जहां 130 प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए सीआइएसएफ के कुल 1031 सुरक्षाकर्मी यहां मौजूद हैं। सोमवार से उड़ान सेवा शुरू होने के बाद प्रवेश

एवं निकास द्वार पर तीन पालियों में 24 घंटे जांच शुरू कर दी गई है। प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था के लिए थाने को 'माइल स्टोन-32' के अलावा कार्गो और 'डोमेस्टिक टर्मिनल' चौकियां बनाई गई हैं। हवाई अड्डे की आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा के लिए कई स्थानों पर पीसीआर वाहन नियमित सशस्त्र गश्त करने लगे हैं। टर्मिनल के भीतर सहायता डेस्क स्थापित की गई है। जहां महिला एवं पुरुष पुलिस कर्मी सादे कपड़ों में तैनात रहकर यात्रियों की सहायता कर रहे हैं। हवाई अड्डे परिसर के पार्किंग क्षेत्र में पुलिस नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां सीसीटीवी कैमरों के जरिए पार्किंग, प्रवेश द्वारों एवं आवागमन मार्गों की निगरानी की जा रही है।

Noida airport's first test is a slowing aviation market

The airport is targeting up to 5 million passengers in its first year amid a likely lag in demand

Abhishek Law
abhishek.law@livemint.com
NEW DELHI

Noida International Airport began commercial operations on Monday, with an ambition that looks straightforward on paper: scale up to 4.5–5 million passengers in its first year. In practice, it is opening into a far less forgiving backdrop—one in which India's aviation sector is slowing, airlines are cutting capacity, and demand growth may lag the pace of new infrastructure.

The ₹11,200-crore airport in Jewar has begun operations with IndiGo and Akasa Air, running about 12 flights a day initially before expanding services in July, according to chief executive Nitin Samra, with a target of 18–20 destinations as capacity builds out.

"We are in discussions with other airlines. So we expect that slowly," she said, adding that in "10–12 months or first year of operations, we expect that we should have a traffic of around 4.5–5 million passengers".

Yet that expansion hinges on airlines adding capacity in a weakening market.

Industry experts say the immediate constraint is not competition with Delhi's Indira Gandhi International Airport but airline willingness to add capacity in a softer market.

"Right now, Noida Airport has to get passengers, have more flights, at least for a two-year period. Then maybe competition with Delhi Airport can be considered," said Satyen Nayar, secretary general of the Association of Private Airport Operators (APAO). "They may not have predicted this situation (slowdown). So maybe it will be a couple of months of pain, before numbers pick up."

Analysts say weak demand and capacity discipline are already limiting route expansion.



The ₹11,200-crore airport in Jewar has begun operations with IndiGo and Akasa Air, and has scheduled about 12 flights a day initially.

"Airlines are cutting capacity. When growth in the sector is soft, getting carriers to introduce routes or expand operations is a challenge," said Ankita Shah, analyst at Elara Capital. "Noida airport needs new city connections to

2027, versus ₹129 and ₹56 at Delhi airport. The pricing gap adds a cost headwind for a greenfield airport that must build traffic from scratch.

The constraints reflect a broader slowdown in India's aviation market.

The caution is reflected in guidance from GMR Airports, which expects passenger growth to remain soft in the first half of the fiscal year before recovering after September.

Despite near-term weakness, management expects structural demand to absorb new capacity in the National Capital Region.

"I've acknowledged the US and others are fighting a war in West Asia. And it is a particularly difficult time to predict the short term," said Christoph Schnellmann, vice chairman of Noida International Airport. "But we're very optimistic and confident of the long-term growth prospects."

That view rests on fleet expansion. Indian carriers operate about 850 aircraft, while IndiGo, Air India, Air India Express, and Akasa Air have roughly 1,700 aircraft on order.

"If we look at aircraft orders in India, the outstanding orders are 2x of the aircraft in service today," Schnellmann said. "If we want to accommodate and support that type of growth, we need additional airport infrastructure (in the National Capital Region)."

Developed and operated by Zurich Airport International AG through its subsidiary Yamuna International Airport Pvt. Ltd., the airport was inaugurated by Prime Minister Narendra Modi in March after missing multiple deadlines.

"We're building this airport not for three months or for six, but (as)... an airport that we want to operate, invest in, and continue to see growing for decades," Schnellmann said.

Analysts say the airport is likely to add capacity rather than compete directly with Delhi Airport, which handled 78.7 million passengers in FY26, growing at a 6.4% CAGR between FY23 and FY26.

For an extended version of this story, go to livemint.com.

AMID HEADWINDS

Noida airport's expansion plans hinge on airlines adding capacity in a weakening market

Analysts say weak demand and capacity discipline are already limiting route expansion

The airport's user development fee is far higher than Delhi's, which could dampen demand

Despite near-term weakness, structural demand is expected to absorb new capacity in NCR

generate passenger traffic."

Shah added the airport's user development fee (UDF) is significantly higher than Delhi's, which could dampen demand. Domestic passengers departing Noida will pay ₹490 and arriving passengers ₹210 until March

Domestic passenger growth slowed to 1.33% in FY26, while traffic fell nearly 4% year-on-year in April. Airlines face higher jet fuel costs, airspace disruptions over Pakistan, and geopolitical tensions in West Asia, prompting capacity adjustments across networks.

UP'S JEWAR DREAM GETS WINGS; HISTORIC MOMENT, SAYS YOGI

Noida Airport's first flyers: Farmers, workers

BISWAJEET BANERJEE/
DIPKA KIROLA

NOIDA: In an emotional moment marking the beginning of passenger services at Noida International Airport, around 170 farmers and workers whose land was acquired for the green-field project boarded the airport's first outbound passenger flight to Lucknow on Monday.

The inaugural IndiGo flight departed for Lucknow at 8.30 am, carrying land donors, including women and elderly villagers, many of whom were experiencing air travel for the first time.

The passengers invited by the Uttar Pradesh government, met Chief Minister Yogi Adityanath in Lucknow. Officials said the



Uttar Pradesh CM Yogi Adityanath with farmers during the commercial flight inauguration from Noida International Airport, Jewar

PTI

gesture was aimed at recognising the role played by local communities in enabling the airport's development.

The launch marked the cul-

mination of a journey that began over six years ago when thousands of acres of agricultural land were acquired for what has become India's newest interna-

tional airport. For many passengers, the occasion was deeply emotional as they took off from land they once cultivated.

"We are extremely happy

to travel on the first flight from Noida International Airport to Lucknow. What we once imagined has become a reality," said Abrar Khan, **Continued on P4**

CLOSER LOOK

» The inaugural IndiGo flight departed for Lucknow at 8.30 am, carrying land donors, including women and elderly villagers, many of whom were experiencing air travel for the first time

» The passengers invited by the Uttar Pradesh government, met Chief Minister Yogi Adityanath in Lucknow

» Officials said the gesture was aimed at recognising the role played by local communities in enabling the airport's development

Noida Airport

one of the passengers invited for the historic journey.

Hera Rashid, a resident of a nearby village, described the experience as unforgettable. "We are travelling on the first flight free of cost and will meet the Chief Minister in Lucknow. This is a memorable day for all of us," she said.

A 72-year-old farmer from Kishorepur village said he never imagined he would one day fly from an airport built on his former farmland. Another farmer, who had given 30 bighas of land for the project, said witnessing the airport become operational was a matter of immense pride.

Earlier in the morning, the airport welcomed its first incoming commercial flight from Lucknow at 8.05 am. Uttar Pradesh Assembly Speaker Satish Mahana arrived on the flight and was received by airport officials. The aircraft later continued onward to Bengaluru after boarding passengers.

Jewar MLA Dharendra Singh said the inaugural flight was a tribute to the farming families who sacrificed their ancestral land for development. "The hands that once tilled these fields are now holding boarding passes and touching the skies," he said.

Developed in Jewar in Gautam Buddha Nagar district, Noida International Airport is expected to emerge as a major aviation, logistics and cargo hub for north India. Its launch is being seen as a significant boost to regional connectivity, trade and economic growth in western Uttar Pradesh, while the first flight served as a reminder of the local communities whose contribution made the project possible.

Calling the commencement of commercial flights a historic moment, Chief Minister Yogi Adityanath said Jewar, once lacking basic infrastructure despite its proximity to Delhi, was now poised to emerge as a major economic hub.

"Now think about it, you are going to outshine Delhi," he told the farmers.



Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST

KOLKATA

15 JUNE 2026

Kolkata airport expands capacity, upgrades passenger facilities

Handling capacity set to rise from 26 million to 28 million

KOLKATA: As passenger traffic steadily rises, Netaji Subhas Chandra Bose International Airport is undertaking a series of infrastructure projects aimed at increasing capacity while improving passenger comfort and environmental sustainability.

Airport director Vikram Singh said the airport's annual passenger handling capacity is set to rise from 26 million to 28 million through ongoing expansion works. The airport currently handles nearly 21 million passengers every year.

To accommodate future growth, the Airports Authority of India has expanded the domestic departure area by nearly 1,000 square metres and is adding around 300 square metres to the international departure section. The integrated terminal, which became operational in 2013, was originally designed to handle 20 million passengers annually.

The airport is also upgrading its signage network

Officials said the nearly completed secondary runway will allow uninterrupted round-the-clock operations when the primary runway undergoes maintenance. The addition of two new taxi tracks has also improved aircraft movement on the ground and enabled smoother handling of wide-body aircraft.

Other key infrastructure developments in recent years include Metro connectivity to the airport, an upgraded air traffic control tower and the installation of a CAT III landing system to assist operations during poor visibility. Alongside capacity enhancement, the airport has focused on improving passenger amenities. Of the 28 washroom blocks across the

terminal, 27 have been renovated, with the remaining one scheduled for refurbishment shortly.

Earlier this year, a new washroom facility was opened for arriving passengers entering through aerobridges, addressing a long-standing gap in services on the terminal's upper level. The airport is also upgrading its signage network and plans to install digital information displays to help passengers navigate terminals and access facilities more easily.

The airport has also strengthened its green initiatives. With more than 17 MW of solar power generation capacity, a substantial share of its energy needs is now met through renewable sources.

Most operational vehicles have been converted to battery-powered units as part of efforts to reduce carbon emissions and improve its environmental performance.

MPOST

Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD

DELHI

16 JUNE 2026

Noida airport operations begin, first flight takes off to Bengaluru

S LALITHA AND NAMITA BAJPAI
@ New Delhi

Noida International Airport (NIA) kickstarted its commercial operations on Monday morning as the first flight took off to Bengaluru with 138 passengers. Five minutes apart, another flight took off for Lucknow with 172 farmers who had sacrificed their land for the project.

Aviation minister Ram Mohan Naidu inaugurated the operations and said that Jewar Airport will create thousands of jobs. "Phase I of operations will cater to 1.2 crore passengers annually, while it will cater to more than 7 crore passengers annually when Phase 4 is ready," he added.

The first flight to land at the airport was from Lucknow with the farmers onboard. In Lucknow, Uttar Pradesh CM Yogi accorded a grand welcome to the farmers at his official residence and said that Jewar had transformed into a place where even 'Kuber' (God of wealth) would want to descend.

While extending gratitude to IndiGo Airlines for commencing operations from the airport, he said Jewar, which was earlier infamous for being a hub of anti-social and criminal activities, had catapulted into the capital of development.

The CM recalled that when the first land registration took



First flight that landed at Noida International Airport on Monday | *express*

place, farmers had visited him along with MLA Dharendra Singh, worried about their future. Yogi had promised them compensation beyond their imagination. He expressed gratitude to the farmers for placing their trust in him. He also credited the Jewar MLA for bringing all stakeholders together.

Among the passengers on board of the first incoming flight were a couple with their 3-year-old daughter, residents of Navi Mumbai. Zubaida Ahid said, "We wanted to be on board the first flight that touched Noida. So we went to Lucknow and stayed there for two days and then took the first incoming flight to Noida. We just cherish travelling by the first flight and did that when operations were launched at Navi Mumbai too, last December." Her daughter, who had donned a pilot cap, was the cynosure of all eyes.

Another family keen to take

a flight from the new airport was Amit Sharma, who had come down with his family from the US to Noida so that his three boys could meet their grandparents. The older boy, Anay, was excited about the new airport and said, "It looks so new and shiny." Twins Anush and Arur, on the pram, were excitedly gaping at the bright lights above. Amit said, "We were supposed to travel to Amritsar yesterday but delayed it by a day so that we could take a flight from the new airport."

However, a few passengers complained about the lack of connectivity to the airport. "I was going in circles and passed through a long patch of grass to reach the airport," said a visitor who had come to take a look at the new airport.

Flights to Hyderabad and Amritsar were also operated by IndiGo on Monday. Akasa Air will launch its flights on Tuesday to Bengaluru and Navi Mumbai.

Jewar's land donors become first passengers at Noida International Airport

ABHINAV KUMAR JHA ■ Noida

Around 170 farmers from the Jewar region, including 20 women, who had voluntarily given up their ancestral land for the Noida International Airport project, were among the passengers on the inaugural commercial flight from the airport to Lucknow on Monday. The gesture was conceived by Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath as a tribute to those whose land made the project possible.

The group arrived at the airport holding boarding passes, many travelling for the first time in their lives.

Union Civil Aviation Minister Kinjarapu Ram Mohan Naidu personally distributed commemorative boarding passes to the passengers during the event. The group was scheduled to meet Chief Minister Yogi Adityanath in Lucknow upon arrival.

Abrar Khan, one of the passengers, described the experience as a matter of pride. "We are very delighted and obliged to travel on the first flight from Noida International Airport to Lucknow. What we envisioned is becoming a reality before us today," he said. Khan said the invitation to be part of the first flight had



Union Minister of Civil Aviation Ram Mohan Naidu Kinjarapu with farmers during the commercial flight inauguration from Noida International Airport

PTI

come from the Chief Minister himself and called it a matter of honour.

Hera Rashid, a young woman from a village near the airport, called the moment historic. "We will experience the first flight. It is free for us, and we will meet Chief Minister Yogi Adityanath in Lucknow," she said.

A farmer aged around 65, who was among the passengers, said he had given up 30 bighas of his land for the airport project. He expressed happiness at seeing the development take shape, but also raised an unresolved grievance. "We were

also promised a job but have yet to get it," he said.

Another woman passenger said the opportunity to be part of the first flight was a matter of pride for the villagers of the region, many of whom had watched their cropfields transform into one of the country's newest aviation hubs over the past several years.

Jewar MLA Dhirendra Singh, speaking about the significance of the moment, said the launch of passenger services was as much about the contribution of farmers as it was about a new air route.

CONTINUED ON >> P4

Jewar's land donors become first...

"The very families who dedicated their ancestral land for the national interest and the state's bright future are today taking to the skies from that same soil," he said. He added that hands that once tilled the land now held boarding passes.

Singh described the flight as carrying a meaning beyond travel. "When the farmers of Jewar boarded the flight to Lucknow today, it was not merely their journey; it was a historic flight representing India's development, the dignity of farmers and a transforming Uttar Pradesh," he said.

The families on board were largely those who had sold their ancestral land during the first phase of the project, land that for generations had been used for farming and now forms part of the runway and terminal infrastructure of one of India's newest greenfield airports.

For the villagers of Jewar, Monday's flight closed a particular kind of loop. The land they once worked has become the ground from which they took off. Whether the promises made to them, including the job assured to the 65-year-old farmer who gave up 30 bighas, are fulfilled in the months ahead remains a question that will likely shape how this communi-

ty comes to view the airport that now stands where their fields once were.



Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN

DELHI

16 JUNE 2026

Now, even 'Kuber' wants to come to Jewar: CM Yogi on inaugural flight from Noida International Airport

STATESMAN NEWS SERVICE

Lucknow, 15 June

Farmers who dedicated their land for the construction of the Noida International Airport in Jewar arrived in Lucknow on Monday. These farmers, who travelled to the state capital on the first flight operated from Jewar to Lucknow, were accorded a grand welcome and honoured at the Chief Minister's residence. The farmers shared their experiences, presented mementos to the Chief Minister, and expressed their gratitude.

Interacting with the farmers, Chief Minister Yogi Adityanath said: "Jewar has now become a place where even 'Kuber' wants to come. He also thanked IndiGo for commencing commercial flight operations from the airport."

The Chief Minister said, when his Cabinet approved the proposal for the construction of an airport in Jewar, he had instructed the District Magistrate of Noida and other officials to begin the land acquisition process within 100 days. However, even after that period, no action had been initiated.

He stated that when he visited the area and held a review meeting, he found that no progress had been made. He then convened a meeting with around 100 farmers at Gautam Buddha University in Greater Noida. "I said that the airport has to be built, but the farmers refused to part with their land. There was uncertainty everywhere. I told them that we wanted to bring development here, yet people were refusing. I requested them to think about it for an hour. This airport will change your destiny."





Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN

KOLKATA

15 JUNE 2026

Kolkata Airport mosque relocation approved, expansion advances

STATESMAN NEWS SERVICE
Kolkata, 14 June

The long-standing issue surrounding the relocation of the historic mosque located near the runway of Netaji Subhas Chandra Bose International Airport is expected to move towards resolution, with airport authorities indicating that work will commence once formal directions are received from the Central government.

According to airport sources, preparations are underway for shifting the over 130-year-old Bakra Mosque, situated close to the airport's secondary runway. The structure is believed to predate the airport itself and has remained at the centre of discussions over airport expansion for several decades. Airport Director Vikram Singh said the matter falls entirely under the jurisdiction of the Central government and will be handled through discussions with stakeholders. "As soon as we receive directions from the Centre, we will begin the process. The issue will be resolved through dialogue and in accordance with the prescribed procedures," he said.

Local administrative sources indicated that runway expansion work is likely to begin after the Haj season. The mosque is located approximately 165 metres from the airport's second runway. Aviation authorities have repeatedly argued that its location poses a significant obstacle to future runway expansion plans and the installation of advanced Instrument Landing System

(ILS) facilities required for safer aircraft operations, particularly during periods of dense winter fog.

Officials have maintained that the relocation is essential for enhancing operational efficiency, improving safety standards and accommodating future growth in passenger traffic. The development comes as the Airports Authority of India (AAI) has directed Kolkata airport authorities to observe "Yatri Subidha Diwas"

(Passenger Facilitation Day) on 15 June. Ahead of the event, senior airport officials addressed the media on Saturday and outlined a series of passenger-centric, social and environmental initiatives planned for the occasion.

Speaking at the briefing, Mr Singh said the airport seeks to reaffirm its role not only as a transportation hub but also as a catalyst for regional development, tourism and public service. "Passenger Facilitation Day will focus on improving passenger experience while recognising the contributions of various stakeholders associated with the aviation sector," he said.

The observance will include awareness programmes, passenger outreach initiatives and activities aimed at promoting sustainability and customer service.

Highlighting the airport's historical significance, officials noted that Netaji Subhas Chandra Bose International Airport, formerly known as Dum Dum Airport, is among India's oldest and most important aviation facilities.



Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA

BANGALORE

15 JUNE 2026

Mumbai airport gets hoax bomb threat

Mumbai: Mumbai airport received a bomb threat via email Saturday. Police declared the threat a hoax after a thorough search of the premises and its vicinity by a bomb detection squad. Sahar police lodged a non-cognisable offence against the unidentified mail sender; **reports V Narayan.**

A police officer said the email, purportedly from an unidentified terrorist group, alleged that a bomb had been planted inside the airport premises and that it would explode soon. It claimed the airport was the first of many targets and that the group would “strike everywhere and anywhere”. “You will soon discover the true potential of our terror,” it said. The email had an unusual signoff — “Hail Swat terror X Swat Kats”. ‘Swat Kats’ was a popular animated TV series.



Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA

MUMBAI

15 JUNE 2026

City airport gets hoax bomb threat, security up

Mumbai: Mumbai airport received a bomb threat via email on Saturday. Police declared the threat a hoax after a thorough search of the premises and its vicinity by a bomb detection squad. Sahar police lodged a non-cognisable offence against the unidentified mail sender.

A police officer said the email, purportedly from an unidentified terrorist group, alleged that a bomb had been planted inside the airport premises and that it would explode soon. It claimed the airport was the first of many targets and that the group would "strike everywhere and anywhere". "You will soon discover the true potential of our terror," it said. The email had an unusual signoff—"Hail Swat terror X Swat Kats". 'Swat Kats' was a popular animated TV series from the 1990s.

The officer said the mail was sent through a VPN (virtual private network, to escape detection). "The threat was found to be fake. But, an alert has been declared and a close watch is being kept."

Another officer said following the threat, a meeting was convened and instructions issued to conduct anti-sabotage checks within the airport and to remain vigilant. "Anti-sabotage checks are being carried out."

—V Narayan



Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA

DELHI

16 JUNE 2026

Brakes on job protest for now, crucial meet on Wed

Shafaque Alam
@timesofindia.com

Noida: Even as Noida International Airport was inaugurated on Monday, the issue of employment for families affected by land acquisition for the project remains unresolved. A group of affected residents has been protesting for several months, demanding jobs directly with the project's concessionaire rather than through private contractors.

Saurabh Sharma, a resident of Bonwaripur village, said his family lost 10 acres of land to the project in 2019. "Officials assured affected families that beneficiaries would get employment opportunities. I have been waiting since then, but no job has been offered. Now we are being told that employment will be provided through contractors. We want stable jobs directly with the concessionaire, Yamuna International Airport Private Limited (YIAPL)," he said.

Sharma, who holds an MTech degree in automobile engineering, said he has remained unemployed for several years. Under the Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Act, 2013, affected families are entitled to rehabilitation measures, including skill development and employment opportunities or compensation.

Sharma said the job seekers had been protesting at Kishorpur temple, but the demonstration was called off on Sunday night after village elders urged them not to continue the protest on the day of the airport's inauguration. "We have decided to meet officials of the Yamuna Authority and the airport on Wednesday," Sharma said.

The airport project required large-scale land acquisition across several villages in the Jewar region.

Authorities acquired around 1,334 hectares in the first phase and another 1,365 hectares in the second phase, while an additional 2,053 hectares are expected to be acquired in the third and fourth phases.

During the first two phases, about 334 families opted for employment instead of monetary compensation under the rehabilitation provisions linked to land acquisition. However, several affected residents allege that the promised jobs have not materialised.

Addressing the issue in an interview with **TOL** vice-chairman of the airport, Christoph Schnellmann, said that the airport operates in partnership with around 80 to 90 firms across different sectors.

"We have identified leading companies in each field that bring expertise and experience to the project. Many of these are large national and global firms employing thousands of people. Our aim is to match those seeking employment at the airport with the appropriate partner company based on their qualifications, experience and preferred area of work," Schnellmann said.

Corporate Communications Directorate

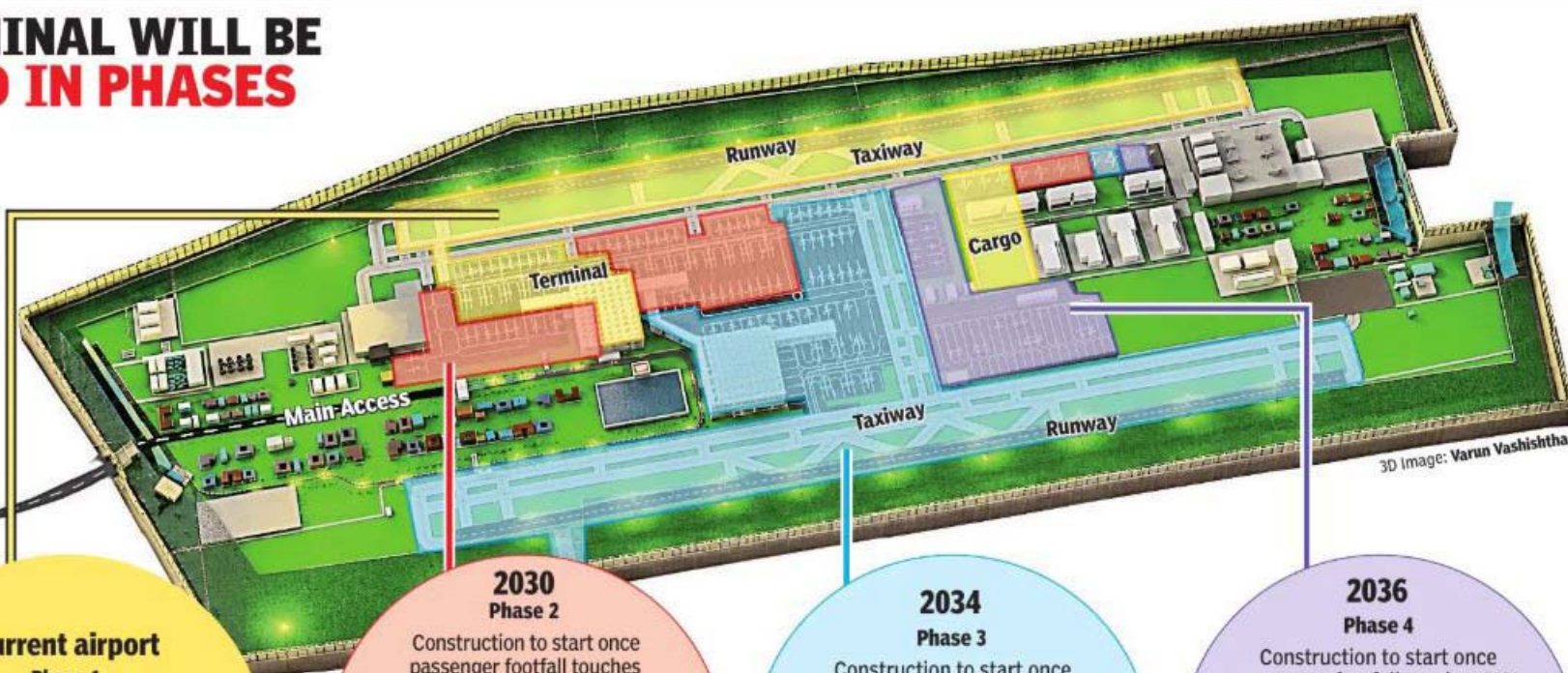
THE TIMES OF INDIA

DELHI

16 JUNE 2026

HOW TERMINAL WILL BE EXPANDED IN PHASES

Flyers can expect upgraded facilities, smoother travel services, and a phased expansion plan that will shape the airport's growth in the years ahead



Current airport Phase 1

Capacity **1.2 crore** flyers a year
Land status | Acquisition complete, rehabilitation complete
Infra | One runway, 1 terminal building, ATC tower, VIP terminal and multi-modal cargo hub

2030 Phase 2

Construction to start once passenger footfall touches 80% of 1.2 crore
Capacity **3 cr** flyers a yr (+1.8 in Ph 2)
Land status | Acquisition notified, compensation complete, rehabilitation under way
Infra | T1 mirror expansion, 2nd runway, maintenance, repair, overhaul (MRO) hub

2034 Phase 3

Construction to start once passenger footfall touches 80% of 3 crore
Capacity **5 crore** per annum (+2cr)
Land status | Acquisition has been notified, compensation payouts are yet to begin
Infra | Second terminal building

2036 Phase 4

Construction to start once passenger footfall touches 80% of 5 crore
Capacity **7 crore** per annum (+2cr)
Land status | Acquisition notified, compensation payouts yet to begin
Infra | Cargo hub expansion, aerospace manufacturing hubs



Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA

DELHI

16 JUNE 2026

Flyers had to prove there's actually a Noida airport

Neetika Jha@timesofindia.com

Noida: Hours before they became some of the first passengers to land at Noida International Airport on Monday, travellers flying in from Hyderabad found themselves facing an unexpected challenge. They needed to convince airport staff that their destination actually existed.

At check-in counters, several passengers said airline and security personnel appeared unfamiliar with NCR's newly opened airport, prompting repeated questions about their tickets. Some travellers found themselves explaining that Noida airport had begun commercial operations that very morning. Others went a step further, pulling out news reports on their phones to prove it.

The Hyderabad-Noida service was among the first commercial flights to operate to the greenfield airport.

Anjaneyulu, a national head at Mahindra, said he initially thought airport officials were joking when they questioned his destination.

"When I told them I was flying to Noida International Airport, they said there was no airport by that name. They asked me to check my ticket multiple times and were convinced only after verifying that a flight was indeed departing from Hyderabad to Noida," he added.

For Anjaneyulu, however, the confusion ended at the airport. He was travelling to Meerut for a business meeting and said the new airport in Jewar would save him considerable time.

"I have a vehicle waiting outside. Getting through Delhi's traffic is a task in itself. My meeting is at 2pm in Meerut and I can comfortably make it. Earlier, trips to western UP took much longer," he said after landing in Noida.

Others narrated similar experiences. Sushant Mishra, an Agra-based engineer working in Hyderabad, said security personnel were initially puzzled when they saw his destination.

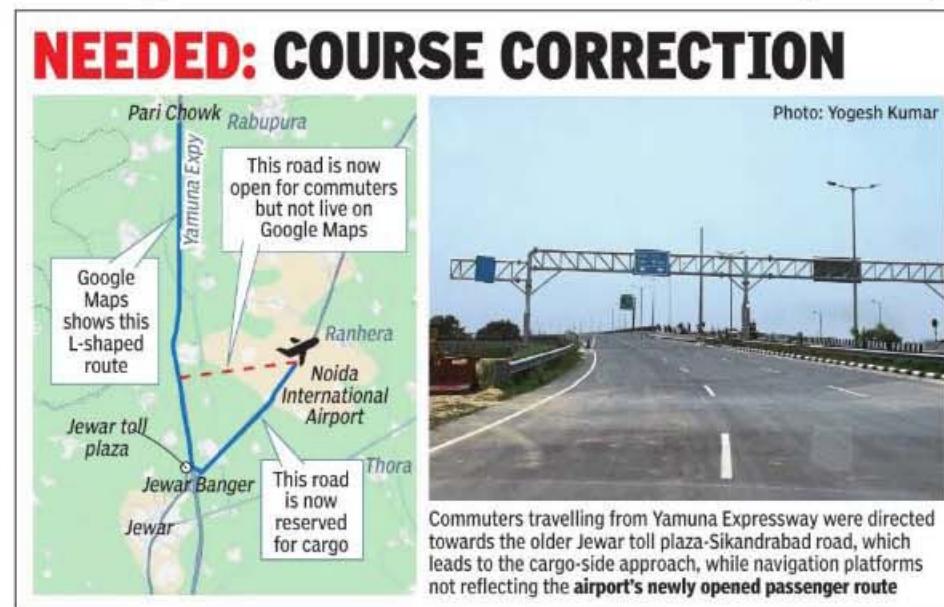
Maps miss airport link, route blooper greets flyers on Day 1

Shafaque.Alam
@timesofindia.com

Noida: For many passengers headed to Noida airport on the first day of commercial operations, the journey began not just with excitement but confusion as well.

Guided by Google Maps, several travellers were led to the airport's cargo-side approach near Kishorpur village, only to be stopped by security personnel and told they were at the wrong entry point. What followed was a frustrating detour that cost them extra fuel, additional toll charges and, for some, precious time before departure.

With navigation platforms not reflecting the airport's newly opened passenger route, commuters travelling from Yamuna Expressway were directed towards the older Jewar toll plaza-Sikandrabad road, which leads to the cargo-side approach.



Several travellers, including

TOI reporters, followed the route shown on Google Maps and reached the airport

from the village side. Security staff deployed there told them passenger vehicles were not

permitted through that gate and directed them to return to Yamuna Expressway and use the Delhi-Mumbai Expressway link road instead.

The diversion significantly lengthened the journey. Travellers had to re-enter Yamuna Expressway, pay toll at Jewar plaza again and drive back nearly 10km towards Noida before taking an underpass and covering another 10km to reach the correct access road leading to the terminal.

The issue surfaced on the day the airport opened commercial operations, catching many first-time users off guard. While the terminal itself functioned smoothly, reaching it proved challenging for those relying entirely on digital navigation.

The passenger route forms part of a 31km link road being developed by NHAI

to connect the airport with the Delhi-Faridabad-Balabhagarh-Sohna stretch of Delhi-Mumbai Expressway. A 7km section in Noida has already been completed and opened, providing direct access to the airport through a loop connected to Yamuna Expressway.

The new route allows travellers from Noida and Delhi to reach the airport without crossing a toll gate. However, passengers coming from Agra, Mathura, Aligarh and even Jewar still need to pass through the toll plaza to access the facility.

Told about the detours, NIA vice-chairperson Christoph Schnellmann said the airport operator was in discussions with Google to ensure the new access route is reflected on Maps and made available to commuters at the earliest.

170 FARMERS WHO GAVE LAND FOR AIRPORT PROJECT FLY TO LUCKNOW AND MEET YOGI

Jewar, from above: 90-yr-old among farmers to board flight first time

Shafaque.Alam
@timesofindia.com

Photos: Ramesh Sharma

Noida: As the aircraft soared into the morning sky, Lekhraj Sharma (90) pressed against the window and looked down at a landscape he knew better than most. Until a few years ago, those buildings, the terminal and runway were all farmland. On Monday, they were home to NCR's newest airport.

For Sharma and scores of other farmers on board the first flight to take off from Noida, the journey was more than their first experience of air travel—it was a rare chance to watch, from 30,000 feet, the transformation of land they once cultivated into a project that has reshaped the region. Organised by UP govt as a gesture of gratitude, the flight to Lucknow carried 170 farmers whose land made the airport possible.

"We gave 15 acres for the airport project. We are happy that it has come upon our land. This was my first flight," Sharma, from Ranhera village, said after landing in Lucknow,



where the group later met chief minister Yogi Adityanath.

The passengers included 28 women, and were from villages such as Kishorpur, Banwaribas, Rohi, Ranhera and Thora. "Jewar has really changed. It looked so different from above," said Karnesh Singh (68) of Dayanatpur village, whose fa-

mily gave 272 acres for the project and received compensation of about Rs 80 crore.

He admitted that most farmers were initially sceptical when land acquisition began five years ago. "This was our ancestral land shared by three brothers. We were unsure at first, but the govt assured us



the airport would bring investment and development. Today, seeing the project become a reality is satisfying," he added.

A lifelong farmer, Singh said he never had the opportunity to travel by air until now. "I never imagined I would fly at this age. Looking down at Jewar from the sky filled me

with joy and wonder. It is a memory I will cherish for the rest of my life," he said.

Mahavir Prasad Sharma (70), a retired inter-college teacher from Ranhera, said airport staff made the check-in process easy for first-time flyers. "The villages, fields and roads looked tiny from above. I felt grateful



There were 28 women among the 170 farmers who took the first flight to Lucknow from Noida; at 90, Lekhraj Sharma (**above**) from Ranhera village was the oldest passenger on board

for the opportunity and never expected such a moment," he said. His family had given 14 acres and later purchased land elsewhere with the compensation.

Hira Rashid, an MBBS student at Aligarh Muslim University from Rohi village, said the airport would benefit future generations. "This is a spe-

cial flight because farmers and their families are travelling free of cost. But the airport will be a major advantage for students like me who hope to study abroad," she added.

In Lucknow, meeting the farmers who took the flight and went to meet him, chief minister Yogi Adityanath recalled the early stages of the project, and how progress on land acquisition was slow. "After the proposal was cleared, I gave officials a 100-day deadline to begin the land acquisition process. However, little progress was made even after the deadline expired. I visited Noida and held a meeting with officials. Later, I met landowners at Gautam Buddha University. The farmers initially said they would not part with their land. I asked them to think about the project because it had the potential to change their future. Those who recognise opportunities move ahead. After that, the farmers agreed and the district administration and Yamuna Authority accelerated the land acquisition process," he said.

From new airport to city, budget cabs at ₹1k, premium at ₹3k

Shafaque.Alam
@timesofindia.com

Noida: For departing and arriving passengers, taxis proved a reliable option on Monday, easing misgivings about connectivity with Noida International Airport, which sits around 65km from Noida Sector 18 and 40km from Pari Chowk. With Uber, Ola and Rapido all setting up booths inside the terminal, and two premium cab services deployed in the parking area, passengers had more choices than many had anticipated.

Among the budget aggregators, fares to Sector 18 were broadly in the Rs 1,000–1,200 range. Ola's options ran from Rs 1,051 for a mini to Rs 1,151 for a prime sedan and Rs 1,322 for prime plus. Uber showed Rs 851 for Go Priority and Rs 1,215 for Premier XL.

Rapido, which placed nearly 20 cabs at the airport, was offering Rs 100–200 discounts to inaugural customers. Uber went further, extending 50% off — up to Rs 1,000 — to 25 new customers and deploying 30 cabs on the day. Ola, which fielded a fleet of 150 cabs, was giving Rs 250 off to first-time riders. Staff at the booths confirmed all three services would run 24x7.

For passengers looking for something more comfortable, two premium operators were present.

NIA has partnered with Mahindra Logistics Mobility to offer Alyte, an all-electric,

chauffeur-driven service promoted as a tech-enabled corporate mobility solution. Four EVs were positioned at the front row of the parking area, with more on standby. As of Monday evening, fares to Noida Sector 18 were Rs 2,871 for an SUV and Rs 3,062 for a sedan. Alyte airport manager Amrish Kumar said the chauffeurs undergo regular training and passenger feedback is actively tracked. "We have placed four cabs at the front row while some are on standby in the parking area," he said, adding that the service is available round the clock.

Mann Fleet Partners, the other premium operator, had 51 vehicles on the ground — among them Hyundai Aura, Maruti Suzuki Invicto and Toyota Urban Cruiser Hyryder — with five positioned at the front row. Fares were Rs 1,927 for economy and Rs 2,588 for economy plus. President Amarjeet Mann said the company was handling both passenger rides and employee transportation, and had firm plans to scale its fleet from 51 to 500 vehicles. "We are not only handling car rental but also employee transportation," she said.

UPSRTC buses, launched last week, have also begun serving the airport — though with a significant caveat. The buses stop near the entry gate rather than the terminal, requiring passengers to board a shuttle and cover nearly a kilometre on their own.



Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA

DELHI

16 JUNE 2026

AC bus to Jewar airport on cards as Centre pushes for NCR roads

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: In a bid to improve connectivity to the Noida International Airport at Jewar, Delhi govt is planning a direct air-conditioned bus service, while the Centre is working on a series of road infrastructure projects across the National Capital Region (NCR).

Senior officials said the proposed Delhi-Jewar bus route is among several new interstate corridors being planned by the Delhi Transport Corporation (DTC) to strengthen regional public transport and improve access to the airport.

The service is expected to run 12-metre

air-conditioned buses and offer a direct travel option for passengers heading to the airport. Authorities said the route is also likely to benefit commuters travelling between Delhi and key towns in Haryana and Rajasthan, offering more convenient travel options for NCR residents.

According to DTC officials, route planning has been carried out after assessing passenger demand, traffic patterns and regional connectivity requirements. "The objective is to improve service frequency, reduce travel time and strengthen last-mile connectivity for commuters," an official said, adding that the service is likely to start in the next two months.

The Delhi-Jewar route is part of a broader interstate connectivity expansion planned by the trans-

port corporation. Other proposed corridors include Delhi-Rewari, Delhi-Karnal, Delhi-Rohtak, Delhi-Alwar and a service connecting Nanaksar in Delhi with the Ghaziabad bus terminal.

Alongside the proposed bus services, the Centre is also working on several road projects aimed at easing congestion and improving access to the airport region.

Union minister of state for road transport and highways Harsh Malhotra said the Centre and Delhi govt are coordinating efforts to make Delhi largely congestion-free.

Projects under discussion include an elevated corridor connecting Sarai Kale Khan and Sohna, another elevated route linking Faridabad with Jewar, and a Rs 650-crore elevated road through Kalindi Kunj.

The Kalindi Kunj project is expected to improve movement between Delhi, Noida and Faridabad. Officials said the elevated road could make travel across the three cities largely signal-free, reducing bottlenecks and travel time.

With the airport already operational and serving passengers from across the NCR, seamless connectivity remains key, a senior official said. The proposed bus services and road corridors are expected to provide faster, more affordable and efficient travel options while supporting the region's growing transport needs, he added.

Flights take off, but passenger conveniences stalled on ground

Neetika.Jha@timesofindia.com

Noida: The airport is now live, but it's far from the finished piece. This was evident on Monday. For passengers and visitors, the excitement of witnessing India's newest airport was quickly attenuated by a string of inconveniences: bad food, patchy Wifi, non-functional vending machines and no personnel posted outside the terminal to guide arrivals.

For some, the troubles began before they even reached the airport. Several visitors said navigation apps directed them to nearby Kishorepur village instead of the terminal, forcing most to retrace the 5km route. Transport options were scarce. Ride-hailing apps either displayed long waiting times or failed to assign cabs altogether.

Akhay Malhotra, headed to Amritsar, said connectivity was a major concern. "The cabs are expensive. I was told there's a bus service from Botanical Garden, but the next one was sched-

Yogesh Kumar



Facilities like WiFi, vending machines were unreliable, flyers said

uled much later. A cab became the only practical option," he said.

Near arrivals, Yogesh and Neetu Sharma stood outside the only operational food outlet, Flying Bites. While the menu listed croissants, sandwiches and wraps, only coffee and rolls were available. "The facilities are not what one would expect at this price point,"

Yogesh said. A worker at the stall added that systems were still being set up and only cash and card payments were being accepted.

Mohammad Rashid, who had come to drop off his daughter travelling to Lucknow, eventually gave up on the airport Wifi. "The network was weak. I had to switch to mobile data just to reach her on WhatsApp," he said.

Finding basic amenities proved challenging too. At one of the two vending kiosks near the terminal, Ajit Yadav attempted to buy water only to receive a refund notice. Two maintenance workers repeatedly tried to restart the machine. One worker, requesting anonymity, admitted the problem had resurfaced multiple times during the day despite attempts to fix it.

Visitors also pointed to the absence of washrooms outside the terminal. Saroj Devi, a resident of Rohi village, said she searched in vain for one while waiting to drop off a relative. "If the airport is so big, there should be a washroom for visitors as well," she said.

Airport officials acknowledged the issues as part of the challenges of launching a major infrastructure project. A senior NIA official said additional facilities were in the pipeline. "Washroom facilities for visitors will be ready within two weeks. More food outlets will open soon," the official said.

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA

DELHI

16 JUNE 2026

Low-flying aircraft damaging Kochi houses, airport plans compensation

MK.SunilKumar
@timesofindia.com

Kochi: Cochin International Airport Ltd (Cial) is exploring compensation from its CSR funds after three houses near the airport suffered damage from low-flying aircraft over the past one year.

The latest case surfaced on Sunday when roof tiles crashed down at KA Simon's house in Nedumbassery — a northern suburb of Kerala's Kochi. Airport authorities said after a preliminary inquiry that there was prima facie ground to believe an aircraft flying low may have triggered the damage.

The Directorate General of Civil Aviation's air safety wing will seek a report from its Kochi officials. "We haven't got any information regarding it so far," an official in New Delhi stated.

Though Cial has no legal obligation to compensate homeowners for damage link-



FLIGHT PATH: Tiles go off the roof of a house near Kochi int'l airport

ed to aircraft operations, airport authorities are considering relief on humanitarian grounds. "As cases of aircraft flying low causing damages to houses are being reported repeatedly, we will conduct a detailed inquiry into it. Though we don't have any direct obligation, we will consider ways to give compensation to the owners," a source said.

Airport officials said pursuing compensation from an airline could become a long and complex process involv-

ing multiple authorities and, in cases involving foreign carriers, govt-to-govt engagement. "That's why we are exploring if Cial can provide compensation to such houses from our CSR funds. We will have to design a policy if the proposal is approved," the source added.

Airport authorities said a foreign airline may have been involved, though only a detailed inquiry can determine what brought tiles tumbling from Simon's roof.

Simon, 80, and his wife Sosamma, 70, have moved into a relative's house nearby after damage to their home. "We will have to rent out a house until a solution has evolved. Besides the rooftop tiles falling down, cracks have appeared on the walls," Sosamma said.

The couple has lodged complaints with Cial and Nedumbassery police. MLA Anwar Sadath called for immediate compensation and measures to prevent a repeat.

Noida Int'l Airport takes off

SHEKHAR SINGH
TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, JUNE 15

The dream of Noida International Airport took flight on Monday with an emotional homecoming of sorts as villagers who parted with their land for the mega project became some of its first passengers, marking the start of commercial operations at the long-awaited Jewar airport.

In a symbolic gesture, 172 farmers and their family members from the Jewar region boarded the inaugural flight to Lucknow, years after their fields made way for what is set to become one of the world's largest aviation hubs.

The moment underscored the transformation of a largely agrarian landscape into a key gateway connecting western Uttar Pradesh, Delhi-NCR and Uttarakhand to the rest of the country.

The airport's first milestone came at 7.58 am when IndiGo flight 6E2278 landed from Lucknow after departing at 7.12 am from Chaudhary Charan Singh International Airport. Minutes later,

Brings Taj Mahal within two hours of the gateway



Passengers queue up at the departures terminal of Noida International Airport in Jewar on Monday. PTI

MEETING FARMERS, KIN TRULY SPECIAL: MINISTER

"Meeting the farmers and their families who contributed land for the Noida International Airport was truly special. Seeing them among the first passengers is a reminder that India's aviation growth is powered by the aspirations of its people," Union Civil Aviation Minister K Ram Mohan Naidu said.

the first flight took off from Jewar for Lucknow, formally launching operations at the greenfield airport.

Among those on board were Jewar MLA Dharendra Singh

and senior officials of the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA), including CEO Rakesh Singh and Additional CEO Shailendra Bhatia.

Flagging off the inaugural flight, Union Civil Aviation Minister K Ram Mohan Naidu described the occasion as both emotional and historic.

CONTINUED ON PAGE 3

Noida Int'l Airport..

"Meeting the farmers and their families who contributed land for the Noida International Airport was truly special. Seeing them among the first passengers is a reminder that India's aviation growth is powered by the aspirations of its people," he said.

Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath credited Prime Minister Narendra Modi for providing the inspiration behind the project and acknowledged the

contribution of farmers.

The airport's opening is expected to significantly improve connectivity across northern India. Officials said the new Lucknow-Jewar route will provide an alternative to passengers who currently rely on Delhi's Indira Gandhi International Airport or undertake long road journeys between the two cities.

The launch also creates a new gateway for tourists visiting the Taj Mahal. Located about 139 kms from Agra, the airport places India's most visited monument within a two-hour drive via the Yamuna Expressway, considerably reducing travel time for many visitors.

Developed under a public-private partnership model by Yamuna International Airport Private Limited, a subsidiary of Zurich Airport International AG, the airport has been designed as a multimodal transport hub integrating air and road connectivity.



Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE

DELHI

16 JUNE 2026

Halwara airport sees 7K flyers in 1st month

SHIVANI BHAKOO
TRIBUNE NEWS SERVICE

HALWARA, JUNE 15

A substantial passenger traffic has been witnessed in a month after the commencement of operations at Halwara International Airport. As many as 7,008 passengers utilised the airport to fly to and from Ludhiana in 26 days (May 15 to June 10). After missing about a dozen deadlines, Halwara airport became operational on May 15.

According to airport data, 1,368 passengers arrived at Halwara Airport between June 1 and 10, averaging around 137 passengers per day. This marks a 31 per cent increase compared to the period between May 15 and May 31. Similarly, departures witnessed a substantial rise of 67 per cent during June 1 to 10, with 1,921 passengers travelling from the airport, averaging nearly 192 passengers daily. In May, when the flight operations started, the average arrival per day was 105 passengers while average departure was 115 passengers per day.

A review meeting with airport officials was held recently by Union Minister Hardeep Singh Puri during his visit to Ludhiana three days

ago. He had come by air from Delhi to Halwara.

To mark the completion of one month of operations, airport authorities organised a series of activities at the airport. A selfie corner with a cardboard sculpture of Prime Minister Narendra Modi was set up with the caption 'Naye Bharat Ki Udaan' where passengers enthusiastically clicked photographs.

Several events were organised to celebrate the occasion, including honouring airport staff, felicitating women employees, welcoming passengers with sweets and 'tilak' and the singing of Vande Mataram outside the main terminal premises.

An airport staff member said that although the airport is currently functioning with limited manpower, operations are being managed efficiently and every effort is being made to ensure a smooth and hassle-free experience for passengers. The major crucial tasks, including navigations, fire stations etc are being managed by the Air Force Station, Halwara, while the entire arrival and departure of passengers, hospitality, cleanliness etc are being managed by the airport authorities.



Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE

DELHI

16 JUNE 2026

IndiGo tweaks business class offering to lure flyers

Aneesh Phadnis
Mumbai

IndiGo has tweaked its business class offering with a re-vamped menu and priority baggage handling to lure business and leisure travellers.

The changes in soft product will help the airline grow occupancy and revenue as it battles with Air India and international carriers for a larger pie of traffic. The changes also come amid a high fare and slow demand environment following the outbreak of tensions in West Asia.

The airline launched its business class product called Indigo Stretch on the Delhi-Mumbai route in November 2024 using a dual class Airbus A321 aircraft.

The IndiGo Stretch product offers customers wider seats, better leg room, complimentary meals among other benefits. Gradually more domestic routes were added, and service extended on international routes with IndiGo's own aircraft and leased Boeing 787 planes.

NEW CHANGES

IndiGo's Airbus A320/321 aircraft which fly on do-

The IndiGo Stretch product offers customers wider seats, better leg room, complimentary meals among other benefits

mestic and short-haul international routes do not have ovens. Thus, though the Stretch seats are priced lower than Air India's business class seats it did not provide hot meals on domestic and short-haul routes. Lounge access is also restricted to a few European routes.

However, recently changes have been made to make the product more attractive. Priority baggage has been implemented for Stretch customers from May 1 and their bags are tagged at origin and arrive first on the belt at destination.

An IndiGo spokesperson said meal service in Stretch cabin on Airbus A321 aircraft has been elevated for a consistent and premium experience. The service features a tray service with fine chinaware and steel cutlery.

यूरोप, ब्रिटेन के लिए बढ़ी सीटें

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत से लोगों को दुनिया घुमाने की कमान यूरोप और ब्रिटेन की विमानन कंपनियों ने संभाली

सुरजीत दास गुप्ता

भारत से लोगों को दुनिया घुमाने की कमान यूरोप और ब्रिटेन की विमानन कंपनियों ने संभाल ली है। हुआ यूं है कि ईरान युद्ध के बाद नए विमानों की कमी से जूझ रही एयर इंडिया छुट्टियां मनाने विदेश जाने वाले लोगों को सेवाएं देने में मुश्किलों का सामना कर रही है।

हालांकि, ईरान युद्ध खत्म होने की उम्मीद बढ़ गई है मगर लोग तुरंत उस तरह विदेश यात्रा पर नहीं जाने वाले हैं जैसा वे युद्ध शुरू होने से पहले जा रहे थे। इसकी वजह यह है कि कई विमानन कंपनियों ने जून (गर्मी की छुट्टियों का पहला महीना) के लिए अपनी सीटों की संख्या कम कर दी है। इसका मुख्य असर पश्चिम और दक्षिण-पूर्व एशिया के लोकप्रिय ठिकानों पर पड़ा है।

हालांकि, भारत से यूरोप और ब्रिटेन के लिए सीट क्षमता बढ़ी है क्योंकि ब्रिटिश एयरवेज और लुफ्थांसा जैसी विमानन कंपनियों ने अतिरिक्त सीधी उड़ानें शुरू की हैं।

विदेशी विमानन कंपनियां या तो सेवाएं बढ़ा कर या भारत से बड़े विमान उड़ाकर अपनी क्षमता बढ़ा रही हैं। सबसे बड़ा इजाफा भारत से ब्रिटेन के लिए सीधी उड़ानों में देखा जा रहा है जहां जून में सीट क्षमता में 18.7 प्रतिशत का भारी इजाफा



हुआ है। युद्ध के कारण पश्चिम एशिया होते हुए भारत से यूरोप और अमेरिका जाने वाले भारतीयों की संख्या में भारी गिरावट का सामना करने वाली इन विमानन कंपनियों को इसलिए फायदा हो रहा है कि एयर इंडिया सेवाओं में युक्तिकरण के कारण और उड़ान की व्यवस्था नहीं कर पा रही है।

एयर इंडिया ने बोइंग से 470 से अधिक विमानों का ऑर्डर दिया है। ईंधन की बढ़ती कीमतों और पाकिस्तान के ऊपर उड़ान भरने पर लगी पाबंदियों समेत हवाई क्षेत्र से जुड़ी अन्य दूसरी दिक्कतों के कारण इस साल गर्मी में एयर इंडिया अपनी अंतरराष्ट्रीय सेवाओं को व्यवस्थित कर रही है। इन पाबंदियों के कारण उसे लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है।

इस विमानन कंपनी ने न केवल

बदला घूमने वालों का रुख

■ भारत से यूरोप और ब्रिटेन के लिए सीट क्षमता बढ़ी है क्योंकि ब्रिटिश एयरवेज और लुफ्थांसा जैसी विमानन कंपनियों ने सीधी उड़ानें शुरू की

युद्ध से प्रभावित पश्चिम एशिया के लिए बल्कि थाईलैंड, सिंगापुर और मलेशिया जैसे दक्षिण-पूर्व एशिया के लोकप्रिय पर्यटन केंद्रों और पड़ोसी देश श्रीलंका के लिए भी सीटों की संख्या कम कर दी है।

ओएजी के आंकड़ों के अनुसार दुनिया के 20 सबसे व्यस्त देशों के जोड़ों में भारत और यूएई के बीच सीटों की क्षमता सबसे अधिक कम हुई है। जून में यह सालाना आधार

पर 14.9 प्रतिशत कम हो गई है और 3,40,426 से अधिक सीटें कम हो गई हैं। यह गिरावट ईरान युद्ध के कारण आई है।

दूसरा प्रभावित क्षेत्र दक्षिण-पूर्व एशिया है जहां हवाई किराये 15 से 30 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। भारत से जाने वाली विमानन कंपनियों के लिए दूसरे सबसे बड़े बाजार थाईलैंड में जून में सीट क्षमता 10 प्रतिशत कम हुई है। कुल 2,66,000 सीटें कम कर दी गईं।

यही हाल सिंगापुर (जो तीसरा सबसे बड़ा बाजार है) का भी है जहां सीट क्षमता 12 प्रतिशत गिरी और 2,49,000 सीटें कम हो गई हैं। मलेशिया में भी सीटों की संख्या 15.4 प्रतिशत कम हुई और उस महीने 29,000 सीटें कम की गईं।

पश्चिम एशिया में सीटों की संख्या में भारी कटौती केवल यूएई तक सीमित नहीं है। यूएई, सऊदी अरब ओमान और कतर में कुल सीट क्षमता जून में 11 प्रतिशत गिरकर 15 लाख सीट रह गई है।

ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष अनिल कल्सी ने कहा, 'पश्चिम एशिया जाने वाले 30 प्रतिशत भारतीय वहां से यूरोप या अमेरिका के लिए मार्ग बदलते हैं। युद्ध ने इस कारोबार पर बुरा असर डाला है और यूरोप एवं ब्रिटेन की विमानन कंपनियों ने इस मौके का फायदा उठाया है।'

विमानन कंपनियों द्वारा एशियाई मार्गों पर सीटें कम करने से ब्रिटेन और यूरोप के लोकप्रिय गंतव्यों के लिए संभावनाएं बेहतर हुई हैं।



Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD

DELHI

16 JUNE 2026

UK, Europe holiday spots pick up as airlines cut Asian seats

Foreign airlines are filling in the void by flying bigger aircraft from India

SURAJEET DAS GUPTA
New Delhi, 15 June

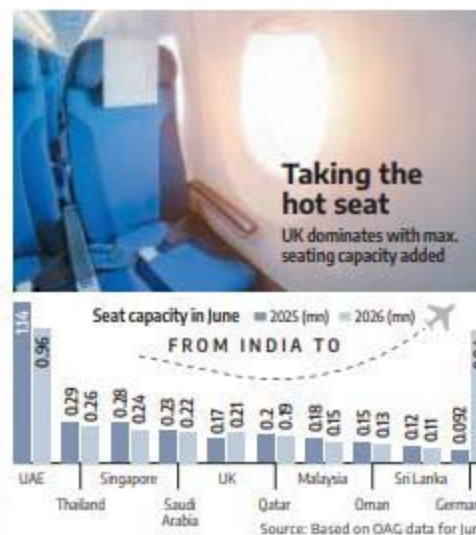
European and British airlines have stepped in to fill a void in flights to international destinations from India, as its decision to rationalise international services and reportedly mull deferring of aircraft deliveries hobbles Air India from serving holiday-makers post the Iran war.

The anticipated end of the Iran war is unlikely to see an immediate resumption of international leisure travel to pre-conflict levels because many airlines have slashed their seat capacities for June, the first month of the summer holidays. These primarily affect destinations in West and South-east Asia.

However the seat capacity from India to Europe and the UK has increased as carriers like British Airways and Lufthansa have pressed more direct flights and seats into service.

Foreign carriers are pushing new capacity either by adding services or by flying bigger aircraft from India. The most dramatic increase is in direct flights from India to the UK, with seat capacity going up by a massive 18.7 per cent in June.

These airlines are leveraging upon a dramatic fall in



Indians transiting from India to Europe and the US through West Asia due to the war, also benefit from Air India's decision to reduce flights on various European routes.

Air India, which has ordered over 470 planes from Boeing, is rationalising its international services this summer in response to surging

fuel price and continuing airspace restrictions, including over Pakistan, that have forced it to fly longer distances.

Airlines have cut seat capacity for not only war-hit West Asia, but across popular tourist destinations in South-east Asia like Thailand, Singapore and Malaysia and even neighbouring Sri Lanka.

According to data from OAG, the seat capacity between India and the UAE has seen the sharpest fall among the 20 busiest country pairs in the world – falling by 14.9 per cent in June year-on-year with over 340,426 seats taken off. This fall is due to the Iran war.

The other sector to be hit is South-east Asia – due to surging air fares that have risen 15-30 per cent. Thailand, the second largest market for carriers from India, has seen seat capacity fall by 10 per cent in June. As many as 266,000 seats went off the air. Singapore – the third largest market – where seat capacity fell by 12 per cent with 249,000 seats slashed, and Malaysia, down 15.4 per cent with 29,000 seats reduced for the month.

The sharp cut in West Asia is not limited to the UAE – the total seat capacity has fallen by 11 per cent in June across the UAE, Saudi Arabia, Oman and Qatar to 1.5 million seats.

Anil Kalsi, vice president of the Travel Agents Federation of India, said: "Thirty per cent of Indians who go to West Asia transit to Europe or the US. The war has adversely impacted this business. And European and UK airlines have taken advantage of this window."



Corporate Communications Directorate

DAINIK NAVJYOTI

JAIPUR

14 JUNE 2026

जयपुर दिल्ली हवाई सफर बना 4 घंटे का

मौसम ने रोकी उड़ानों की रफ्तार, आसमान में चक्कर काटते रहे विमान

व्यू/नवज्योति, जयपुर। खराब मौसम ने जयपुर एयरपोर्ट पर हवाई यात्रियों की परेशानी बढ़ा दी, शुक्रवार रात कई उड़ानें प्रभावित हुईं। सबसे ज्यादा परेशानी जयपुर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2376 के यात्रियों को उठनी पड़ी। सामान्य तौर पर करीब एक घंटे का हवाई सफर खराब मौसम के कारण करीब चार घंटे में पूरा हो सका। एयरपोर्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2376 रात 10.40 बजे जयपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। लेकिन दिल्ली एयरपोर्ट पर मौसम खराब होने के कारण विमान को लैंडिंग को अनुमति नहीं मिल सकी। विमान काफी देर तक दिल्ली के आसमान में चक्कर लगाता रहा। स्थिति सामान्य नहीं

होने पर फ्लाइट को चंडीगढ़ डायवर्ट करना पड़ा। इसके बाद रात करीब 2.40 बजे विमान चंडीगढ़ से दिल्ली पहुंच सका। यात्रियों ने बताया कि सड़क मार्ग से भी कम समय में दिल्ली पहुंचा जा सकता था, लेकिन हवाई सफर में छी चार घंटे से ज्यादा समय लग गया। वहीं जयपुर आने वाली इंडिगो की एक अन्य फ्लाइट भी मौसम की मार से प्रभावित हुई। चंडीगढ़ से जयपुर आने वाली फ्लाइट 6ई 7413 निर्धारित समय से करीब 15 मिनट देरी से रात 11.05 बजे जयपुर के आसमान में पहुंची, लेकिन खराब मौसम के चलते उसे भी तुरंत लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल सकी। विमान करीब एक घंटे तक जयपुर के आसमान में चक्कर काटता रहा। रात 12.05

बजे विमान की सुरक्षित लैंडिंग हो सकी। लंबे इंतजार के कारण यात्रियों में भी चिंता और डर का माहौल बन गया। इसके अलावा जयपुर एयरपोर्ट से इंडिगो की दो उड़ानें रद्द भी करनी पड़ीं। इनमें अहमदाबाद से जयपुर आने वाली फ्लाइट 6ई 7145 और जयपुर से देहली जाने वाली फ्लाइट 6ई 7274 शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार विमान उपलब्ध नहीं होने के कारण इन उड़ानों को रद्द किया गया। मौसम की खराब स्थिति के चलते एयरपोर्ट पर यात्रियों को लगातार अपडेट दिए जाते रहे। एयरलाइंस की ओर से यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था और उड़ानों की नई जानकारी उपलब्ध कराई गई। मौसम साफ होने के बाद ही हवाई यातायात सामान्य हो सका।



Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL

MUMBAI

15 JUNE 2026

LUCKNOW

Direct Lucknow- Noida Flights Begin

Direct flight services between Lucknow and Noida are set to commence from June 15, strengthening air connectivity within Uttar Pradesh. The new route will significantly reduce travel time between the state capital and the National Capital Region through Noida International Airport at Jewar. Officials said the service is expected to benefit business travelers, tourists and investors while improving regional connectivity. The initiative is being seen as an important step toward boosting economic activity and seamless transportation across the state.



Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST

DELHI

16 JUNE 2026

Govt hikes windfall tax on exports of diesel and aviation turbine fuel

NEW DELHI: The government on Monday hiked windfall gains tax on exports of diesel and aviation turbine fuel (ATF), while retaining the levy on petrol for the fortnight beginning June 16.

The rate of special additional excise duty (SAED) on export of diesel will be Rs 14/litre, up from Rs 13.5/litre at present. SAED on export of ATF will be Rs 12.5/litre, up from Rs 9.5/litre.

There is no change in the rate of duty on exports of petrol and it continues to be at Rs 1.5 per litre.

The Finance Ministry in a notification said the duty hikes will be effective from June 16.

Also, there is no change in the existing duty rates on petrol



and diesel cleared for domestic consumption.

Amid escalating tensions in West Asia caused by the US-Israel attack on Iran, followed by sweeping retaliation, the government had on March 26 imposed an export duty on diesel and ATF and revised the rate every fortnight. On May 16, it levied export duty on petrol.

The windfall tax was levied to increase domestic availabil-

There is no change in the rate of duty on exports of petrol and it continues to be at Rs 1.5/litre

ity of the fuel amid the war in West Asia.

The move is aimed at not allowing exporters to take undue advantage due to price differences as globally crude oil prices had risen since the beginning of the war.

The windfall tax is to ensure domestic availability of petroleum products by disincentivising exports in the backdrop of the West Asia crisis. **PTI**

Flight 171: Why India needs a right to digital autopsy

One year after Ahmedabad, India must rethink who owns the truth when technology fails



NISHANT
SAHDEV

In 1964, the mathematician Norbert Wiener published a remarkable book titled *God & Golem, Inc.* Wiener, widely regarded as the father of cybernetics, spent much of his career thinking about a question that has only become more urgent with time: What happens when human beings create increasingly intelligent systems but gradually lose the ability to understand, supervise, or challenge them?

To explain the danger, Wiener often returned to the old tale of the Sorcerer's Apprentice. A young apprentice discovers a magical broom capable of carrying water. Delighted by the prospect of avoiding hard work, he sets the broom in motion. The problem is that he does not know how to stop it. The broom faithfully follows its instructions, carrying bucket after bucket of water until the entire house is flooded.

The lesson was never that the broom was evil. The lesson was that obedience without judgment can become dangerous when complexity exceeds human control. Sixty years later, Wiener's warning feels less like philosophy and more like public policy.

A few days ago marked one year since Air India Flight 171 crashed shortly after takeoff from Ahmedabad, claiming 260 lives and becoming one of the most devastating aviation disasters in recent Indian history. Families continue to mourn. Survivors continue to live with trauma. Investigators continue their work. The purpose of revisiting the tragedy is not to prejudice the outcome of any investigation. The final conclusions must come from evidence, not opinion columns.

Yet Flight 171 raises a larger question that extends far beyond aviation. Who owns the truth when technology fails? For most of the twentieth century, major industrial accidents were primarily mechanical events. Investigators examined broken structures, damaged engines, fractured metal, failed components, and physical evidence. Understanding what went wrong was difficult, but the evidence itself was visible and accessible. That world is disappearing.

Modern aircraft are not simply machines. They are software — defined systems operating in an environment. Millions of lines of code interact with sensors, computers, control systems, and automated decision-making architectures. Every flight generates enormous quantities of data. The modern jetliner is, in many ways, a flying data center.

Aviation is not unique. The same change is happening everywhere. Cars are becoming software platforms on wheels. Hospitals increasingly depend on algorithmic



systems. Financial markets are based on automated trading infrastructure. Electrical grids rely on digital controls. Military systems increasingly incorporate autonomous capabilities. Artificial intelligence is being embedded into everything from customer service to critical infrastructure.

As technology upgrades, the most important evidence after a failure is often not physical. It is digital. The challenge is that digital evidence does not behave like physical evidence. When a bridge collapses, investigators can examine the steel. When a boiler explodes, engineers can inspect the fragments. When a software-driven system fails, the answers may exist inside proprietary algorithms, protected databases, encrypted logs, firmware architectures, and corporate intellectual property frameworks.

The result is a growing tension between two legitimate interests. Companies invest billions developing advanced technologies and naturally seek to protect proprietary information. Intellectual property drives innovation and competitive advantage. At the same time, societies have a compelling public interest in understanding failures that result in large-scale loss of life. The question is where those interests should meet. Flight 171 illustrates why that question can no longer be ignored.

One year later, public discussion remains dominated by speculation. Every new development generates another wave of theories, accusations, and counter-accusations. The absence of definitive answers creates a vacuum, and vacuums are quickly filled by narratives. This uncertainty is not merely an aviation issue. It is a preview of a future in which increasingly consequential decisions are mediated by systems that few people fully understand.

The traditional response has been to reassure the public that there is always a

"human in the loop." The phrase appears constantly in discussions about automation, artificial intelligence, and advanced control systems. The concept sounds comforting. No matter how sophisticated the

technology becomes, a human remains responsible. In practice, however, the reality is becoming more complicated. Modern systems often operate at speeds, scales, and levels of

complexity that exceed normal human cognition. Human operators are frequently asked to supervise processes they cannot continuously monitor in detail. Most of the time, automation works exceptionally well. Indeed, modern aviation remains one of the safest forms of transportation ever created.

But when highly automated systems encounter rare or unexpected situations, investigators must examine not only human decisions but also the design assumptions embedded within the technology itself. That requires transparency. Transparency does not mean publishing every line of source code on the internet. It does not mean eliminating intellectual property protections. It does not mean undermining innovation.

It means recognising that mass-casualty events occupy a different category of public interest. When a major technological system fails and human lives are lost, independent investigators should possess the legal authority, technical access, and institutional capacity necessary to examine the relevant digital evidence. India should begin preparing for this reality now. The country has emerged as one of the world's largest digital societies. Hundreds of millions of citizens rely daily on sophisticated technological infrastructure. India is simultaneously becoming a major aviation market, an AI adopter, a semiconductor participant, and a significant player in the global digital economy.

With that growth comes responsibility. Just as environmental regulations evolved during the industrial age, new accountability frameworks must evolve for the software age. One possible principle is straightforward: systems that exercise substantial influence over public safety should be subject to independent forensic examination after catastrophic failures.

Call it a digital autopsy. A traditional autopsy seeks to determine the cause of death through scientific investigation. A digital autopsy would seek to determine the role played by software, automation, data, system design, and algorithmic decision-making in a technological failure. The objective would not be punishment. The objective would be learning. Aviation itself became extraordinarily safe because every accident generated knowledge that improved future systems. Investigations were designed not merely to assign blame but to prevent recurrence.

The same philosophy should guide the software era. As artificial intelligence becomes embedded within transportation, healthcare, finance, energy, and defense, society will increasingly depend on technologies whose internal logic is often inaccessible to the people affected by them. That imbalance cannot continue indefinitely.

Citizens should not be expected to place blind trust in systems they cannot examine. Governments should not be forced to rely exclusively on corporate explanations when investigating major failures. Public confidence requires independent verification.

Norbert Wiener understood this long before the first commercial jet carried a passenger or the first AI model processed a prompt. His concern was never that machines would become malicious. His concern was that human beings would become dependent upon systems whose complexity exceeded their ability to supervise them.

One year after Flight 171, the most important lesson may not ultimately concern aviation at all. It may concern transparency.

In the twenty-first century, power increasingly resides in code, algorithms, and digital infrastructure. When those systems succeed, their benefits are extraordinary. When they fail, understanding the reasons cannot remain the exclusive privilege of those who built them. The families who lost loved ones in Ahmedabad deserve answers. Future generations deserve safer systems. And democratic societies deserve the ability to independently investigate technologies that increasingly shape life, death, and everything in between. The age of software — defined infrastructure demands a new principle: when technology becomes critical to public safety, the truth behind its failures must never remain locked behind a proprietary wall.



Corporate Communications Directorate

RAJASTHAN PATRIKA

JAIPUR

14 JUNE 2026

इंडिगो की देहरादून-अहमदाबाद फ्लाइटें ऐनवक्त रद्द, परेशानी

जयपुर@पत्रिका. जयपुर
इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार
को इंडिगो एयरलाइन का फ्लाइट
संचालन प्रभावित रहा।

देहरादून और अहमदाबाद की
आने-जाने वाली चार उड़ानों के रद्द
होने से यात्रियों को भारी परेशानी का
सामना करना पड़ा। एयरपोर्ट सूत्रों के
अनुसार अहमदाबाद से सुबह 9:35
बजे जयपुर आने वाली व दोपहर

1:30 बजे जयपुर से अहमदाबाद
जाने वाली इंडिगो फ्लाइट का
संचालन रद्द रहा।

इसी तरह सुबह 10 बजे जयपुर
से देहरादून जाने वाली और दोपहर
1:05 बजे देहरादून से जयपुर आने
वाली उड़ान भी संचालित नहीं हो
सकी। इनके ऐन वक्त पर रद्द होने से
यात्रियों को परेशानी का सामना
करना पड़ा।



Corporate Communications Directorate

THE TELEGRAPH

KOLKATA

15 JUNE 2026

Air NZ flights

■ **RIO DE JANEIRO:** Air New Zealand is assessing the viability of direct flights to Indian cities, and the recent free trade agreement between New Zealand and India provides increased opportunities for people-to-people connectivity, according to the airline's CEO, Nikhil Ravishankar. PTI

DXN: Aviation Gets Double Engine In NCR

As Noida International Airport Starts Operations, Delhi-NCR Flyer Capacity Hits 12cr, Giving Airlines Expansion Room

Shafaque.Alam
@timesofindia.com

Noida: Delhi-NCR, already India's biggest aviation hub, became bigger on Monday with flight services starting at Noida International Airport.

Between big brother IGIA and NIA, passenger capacity of the two international airports taken together is now around 12 crore per annum (10.8cr IGI and 1.2cr NIA first phase), giving the megapolis the kind of capacity it will need to cater to its growing population, aspirations and economic opportunities. This does not take into account Hindon terminal in Ghaziabad, which will continue to operate as a limited third base, effectively making Delhi-NCR the only Indian metropolitan region to have three operational civil airports. For comparison, after Navi Mumbai airport opened last year, Mumbai's annu-

al flyer capacity rose to a maximum of around 7.5 crore.

NIA potentially has a huge catchment because it does not just cater to NCR but also western UP districts. It hopes to, therefore, get both business and leisure travellers.

The airport's first touchdown was an IndiGo flight from Lucknow at 8.05 am, while its first commercial departure was a Bengaluru flight that took off at 8.35 am. In between, a special flight carried around 170 farmers, including 28 women, and some govt officers from Noida to Lucknow. These were farmers who gave land for the airport. Union civil aviation minister Ram Mohan Naidu Kinjarapu flagged off this special flight.

In Lucknow, chief minister Yogi Adityanath met the farmers and expressed gratitude to them for their contribution in turning Noida Airport into reality. "This is a double-engine govt. It does

ANI Video Grab



The first round of arrivals at Noida airport on Monday

what it says. It delivers on whatever it promises, and in future too, you will not have to feel disappointed or disillusioned with the double-engine govt," the CM said.

He also stressed the benefits the cargo hub could bring to farmers by providing direct access to international markets for their produce. "Whether it is vegetables, fruits,

crops or fish, farmers will be able to export their produce through the cargo facility. A mango that sells for Rs 50 per kg in the local market can fetch Rs 800 to Rs 1,000 in international markets. Even after transportation costs, farmers can receive significantly better returns for their produce," he said.

Naidu said that there is immense possibility in Noida. "This is why govt has developed this international airport. This is a catchment area. There is excitement among people, industries and airlines. In the coming days, international flights will also start from Noida."

IndiGo did not share the total footfall on the inaugural day, but said that launching operations to and from NIA marked a significant milestone for the company in further strengthening regional connectivity and enhancing travel options for customers across

Delhi-NCR and western Uttar Pradesh. IndiGo will directly connect the airport to over 16 destinations across India.

Aloke Singh, chief strategy officer for IndiGo, said, "The opening of Noida International Airport marks a new chapter in India's aviation story. Delhi-NCR now joins a select group of global megacities served by multiple airports. For IndiGo, the privilege of being the launch carrier at NIA is more than a commercial milestone; it is a commitment to western Uttar Pradesh, to the broader Delhi-NCR, and the millions of travellers for whom this gateway opens new possibilities. We are proud to be here from day one."

Christoph Schnellmann, vice-chairman of Noida International Airport, said, "Today is a proud moment for everyone who has contributed to making Noida International Airport a reality. We

are delighted to welcome our first passengers and flight operations. From the outset, our focus has been on creating an airport that combines operational excellence with an outstanding customer experience. We are excited that IndiGo has launched operations at the airport today, and we look forward to providing passengers with a smooth, hassle-free experience in an airport that reflects the hospitality, culture and character of this region."

Actor Gul Panag was among the passengers on the first direct flight between Lucknow and Noida. But it was a young passenger, three-year-old Safa Shakir Abid dressed as a pilot, who was the showstopper on Day 1. The Mumbai-based family took the inaugural flight from Lucknow to Noida. They had done the same last year when Navi Mumbai airport was inaugurated.

THE TIMES OF INDIA

DELHI

16 JUNE 2026

Some For Work, Others For Memory: Flying To Be Part Of Aviation History

From Tourists To Influencers, Everyone Wanted A Seat

Neetika Jha
@timesofindia.com

Noida: From influencers to milestone tourists, many of the Day 1 flyers in and out of Noida airport did so to become a part of aviation history. Taking the first commercial flight were also businessmen and working executives headed to Amritsar, Lucknow and Bengaluru.

Anjali (23) and her husband Deep Sagar (24) arrived dressed in matching white-and-blue outfits mirroring IndiGo's livery, having planned their look in advance. Their flight to Amritsar was at 10.10am, but the couple reached by 7am, travelling from Bulandshahr to be among the first passengers out of NIA. Anjali, who has around 10,000 Instagram followers, spent the morning photographing and filming the terminal.

"I always wanted to travel on one of the first flights from here. It was my dream," she said. "It is history, and we are part of it," Deep said.

For 27-year-old farmer Sachin Sagar of Thora village, the day carried a different significance. His family had

FIRST FLYERS, LASTING MEMORIES

Photos: Ramesh Sharma and Yogesh Kumar



given land for the airport project, and he had made himself a quiet promise. On Monday, holding his two-year-old daughter as they prepared to board a flight to Amritsar, he said: "When I gave my land

for the airport, I imagined that one day my daughter would take her first flight from here. Today that day has come." The toddler spent the wait waving at strangers.

Nearby stood Rani, travelling

to Lucknow. Clutching her boarding pass and looking around the terminal with open curiosity, she said it was the first time she had seen an airport from the inside. "I will remember this forever," she said.

Not everyone had a pressing reason to travel. Manoj Kumar Jain, managing director of Deep Blue Express, flew in from Lucknow with no particular agenda. "I just wanted to experience the

first flight and be part of opening day," he said.

Akshay Malhotra, an Instagram influencer with nearly 10 lakh followers, was on the Amritsar-bound flight and came away impressed by the interiors. "I have been to many airports, but this felt like luxury — extremely comfortable sofas, a great view of the runway. There were good food outlets too: KFC, Subway," he said, adding that the lounge was not accessible and the bus transfer to the aircraft was a letdown. "Overall, though, it was worth the hype."

Harsh Vardhan, a businessman, was delighted by something more mundane — his bag was already on the conveyor belt by the time he reached it. "It is fun not having to stand there staring at everyone else's luggage," he said.

Among the first departures was Pintu Sharma of Kushinagar, who boarded an IndiGo flight to Bengaluru before connecting to Malaysia, where he works. "IGI is further away and traffic congestion is always a challenge. I stayed at my relative's house in Kulesra for a day before taking the flight from here," he said. He usually flies from IGI but chose NIA for its proximity to western UP. The journey was not without a hitch. Arriving by autorickshaw with two relatives, Sharma was stopped at the entrance and told the vehicle was not permitted on campus. He walked nearly a kilometre to the terminal with his luggage.

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA

DELHI

16 JUNE 2026

'AI 171 crash exposes payout void for victims on ground'

Manju.V@timesofindia.com

Mumbai: When Air India flight AI 171 crashed into the B J Medical College hostel in Ahmedabad on June 12, 2025, it killed 241 of the 242 people aboard and 19 more on the ground, among them were four medical students having lunch in their hostel mess. Though all the 260 people killed were victims of the same accident, under Indian compensation laws, they were not quite the same kind of victims, say experts.

"Through the Carriage by Air Act and the Montreal Convention regime, passengers and their families benefit from a structured system of liability, insurance, and compensation. However, no comparable statutory framework exists for persons on the ground who become victims of aircraft accidents," said Safety Matters Foundation



SAME TRAGEDY BUT NOT QUITE SAME RELIEF

(SMF), an aviation safety non-profit, in a letter to the aviation ministry Sunday.

"Unlike passengers, compensation for ground victims presently depends largely upon a combination of tort litigation, insurance claims, settlements and ex gratia payments," the letter said.

The absence of a dedicated statutory mechanism creates

uncertainty over liability, quantum of compensation, timelines for relief, claims procedures and access to justice. It requested govt to establish a statutory 'Ground Victims Compensation Framework', introduce strict liability provisions so victims only need to establish the injury, death or property damage resulted from an aircraft accident, provi-

de mandatory interim compensation within a prescribed period, prescribe minimum compensation standards, etc.

India's Aircraft (Investigation of Accidents and Incidents) Rules explicitly include people on the ground injured through contact with an aircraft within the definition of an accident. Along with passengers, ground victims are counted in the total tally of the injured or dead, but no legal document exists that recognises their right to compensation. In the days following the AI 171 accident, the Gujarat govt acknowledged it had not yet decided on compensation for those killed or seriously injured (67) on the ground. Later, Air India released interim payment of Rs 25 lakh to ground victims' families alongside passengers'.

But the amount paid to ground victims' families was

more like ex gratia payment and not legal entitlement.

Internationally too, the problem is unresolved. The 1952 Rome Convention established a system for compensating people on the ground who suffer damage from a foreign aircraft, but it did not gain widespread acceptance. India signed the convention but did not ratify it. Following the 9/11 terror attacks, the UN's International Civil Aviation Organisation developed two updated third-party liability conventions adopted in Montreal in 2009. However, neither treaty has received enough ratifications to enter into force. But some countries have legal frameworks in place, such as Switzerland's Aviation Act, which imposes unlimited strict liability on any aircraft operator, or Belgium, which incorporated the Rome Convention into national law.



Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE

DELHI

16 JUNE 2026

IndiGo begins ops from Noida airport; Chd, Amritsar, Jammu get direct flights

SHEKHAR SINGH

TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, JUNE 15

Travellers from Chandigarh, Amritsar, Jammu and Dharamsala will now have direct access to the NCR through the newly inaugurated Noida International Airport at Jewar, as IndiGo became the first airline to commence commercial operations from the airport on Monday.

The first IndiGo flight landed at the Noida International Airport from Lucknow at 7.58 am this morning, while the inaugural departure from the airport was operated to Bengaluru.

In a symbolic gesture, 172 farmers, who parted with their land for the project, and their family members from the Jewar region boarded the inaugu-



A child dressed as a pilot at the Noida International Airport in Jewar. PTI

ral flight to Lucknow.

IndiGo will connect Noida with more than 16 destinations across the country. The airport is also expected to improve connectivity for passengers from

Punjab, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir.

Beginning July 1, IndiGo will operate a daily flight from Chandigarh to Noida, departing at 7.30 am and arriving at

8.35 am, while the return flight will leave Noida at 6.10 am. An additional service will be introduced from July 13, with flights on Mondays and Tuesdays.

Amritsar will also receive daily direct connectivity to Noida. The flight from Amritsar will depart at 11.55 am, while the flight will leave Noida at 10.10 am.

IndiGo has also scheduled a daily service for Jammu from June 16. The Noida-Jammu flight will depart at 10.05 am, while the Jammu-Noida service will take off at 12.10 pm. The daily Dharamsala-Noida flight will depart at noon, while the flight to Dharamsala will leave Noida at 9.55 am.

Indigo has said that the new network would provide one-

stop connectivity from Chandigarh, Amritsar, Jammu and Dharamsala to several cities.

IndiGo Chief Strategy Officer Alok Singh said the opening of the Noida airport marked a new chapter in India's aviation sector. Noida International Airport Vice-Chairman Christoph Schnellmann said IndiGo's operations would provide passengers with greater convenience and travel choices.

The airport's expansion plans are also set to gather pace quickly. The first domestic cargo flight from the new airport is scheduled to operate on June 17. Akasa Air will become the second carrier to launch operations from Jewar on June 16. Air India Express would also begin services shortly, said the airport operator.